वर्ष : 33 » अंक : 116 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शुक्रवार, 12 जुलाई 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

दो बजे
दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

11 सीटों के लिए '12 खिलाड़ी' तैयार, किसके हाथ लगेगी बाजी?

सत्ता का सेमीफाइनल

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव

अमित बृज/नितिन तोरस्कर । मुंबई

लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में एक बार फिर एनडीए बनाम इंडिया अलायंस के बीच मुकाबला होने जा रहा है। शुक्रवार को होने जा रहे महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों में दोनों एक दूसरे को मात देने की कोशिश करेंगे। मुकाबला इसलिए भी रोचक हो गया है, क्योंकि 11 सीटों पर 12 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए गए हैं। मैच को अपने पाले में करने के लिए खिलाड़ी मोर्चे पर तैनात कर दिए गए हैं। इस मुकाबले को सत्ता का सेमीफाइनल इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि नतीजों से पता चलेगा कि सरकार में काबिज बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति एकजुट है, या उसके कुछ विधायक सिखक रहे हैं। सबसे ज्यादा निगाह अजित पवार गुट के विधायकों पर होगी।

अजित पवार पर निगाहें

एनडीए को सबसे डर इस बात का है कि कहीं अजित पवार खेमे के कुछ विधायक पाला बदल सकते हैं, क्योंकि उन्हें विधानसभा चुनाव में सत्ता में लौटने का भरोसा नहीं है। लोकसभा चुनाव में अजित की पार्टी 4 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन सिर्फ 1 सीट पर उन्हें जीत हासिल हुई थी। एनडीए में बीजेपी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है, जबकि इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना शामिल है।

रिसॉर्ट पॉलिटिक्स फिर शुरू

- एमएलसी चुनाव को लेकर महाराष्ट्र में एक बार फिर रिसॉर्ट पॉलिटिक्स शुरू हो गई है। भाजपा ने अपने और अपने समर्थक विधायकों को दक्षिण मुंबई के कफ परेड स्थित होटल ताज प्रेसीडेंट में बुला लिया है।
- शिवसेना शिंदे गुट के विधायक बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में रखे गए हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने अपने विधायकों को आईटीसी ग्रांड हयात में रखा है। और राकांपा (अजित पवार) के विधायक होटल ललित में पहुंच चुके हैं।
- अभी तक कांग्रेस ने अपने विधायकों को किसी होटल में नहीं बुलाया है। और राकांपा (शपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने साफ कर दिया है कि उन्हें अपने विधायकों पर पूरा भरोसा है। वह कहीं नहीं जाने वाले हैं।

किसके पास कितने 'खिलाड़ी'

महाराष्ट्र में एमएलसी की कुल 12 सीटों पर चुनाव होगा। सत्तारूढ़ एनडीए ने 9 प्रत्याशी उतारे हैं। इनमें बीजेपी के 5, शिवसेना के 2 और एनसीपी अजित पवार गुट के 2 कैंडिडेट हैं। वहीं, इंडिया अलायंस ने 3 कैंडिडेट दिए हैं। इनमें कांग्रेस से 1, उद्धव ठाकरे गुट वाले शिवसेना से 1 कैंडिडेट है। शरद पवार गुट ने जयंत पाटिल को समर्थन दिया है। दोनों गुटों के पास विधायकों की कमी है, ऐसे में जोड़तोड़ होना तय है। इसलिए सबकी निगाह अजित पवार गुट के विधायकों पर है।

एनडीए के पास कितनी ताकत?

- महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं, लेकिन इस वक्त यह घटकर 274 रह गई है। जीतने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को 23 प्रथम वरीयता वोटों की जरूरत होगी।
- बीजेपी के पास 111 विधायक हैं, जिसमें कई निर्दलीय भी हैं। उन्हें अपने पांच कैंडिडेट को जिताने के लिए कम से कम चार वोट और चाहिए। शिंदे के पास 38 विधायक हैं, उन्हें 9 अन्य विधायकों का समर्थन है।
- अजित पवार गुट की शिवसेना के पास 39 विधायक हैं, इसलिए उन्हें अपने दूसरे कैंडिडेट को जिताने के लिए कम से कम सात विधायकों के वोट और चाहिए। इससे साफ है कि एनडीए के पास वोटों की कमी है।

एमवीए कितना शक्तिशाली ?

- उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और शरद पवार गुट में कांग्रेस के पास 37 सदस्य हैं। कांग्रेस ने सिर्फ एक कैंडिडेट दिए हैं, इसलिए उनके पास कुछ वोट बच जाएंगे। लेकिन कहा जा रहा है कि जीशान सिद्दीकी और सुलभा खोडके जैसे उसके विधायक पहले से ही एनसीपी के संपर्क में हैं।
- शिवसेना (यूबीटी) ने उद्धव ठाकरे के निजी सहायक मिलिंद नार्वेकर को मैदान में उतारा है। कहा जाता है कि नार्वेकर की वजह से ही शिंदे गुट के विधायकों ने उद्धव ठाकरे से विद्रोह किया था। अब उद्धव ठाकरे की यहीं पर असली परीक्षा होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

दो इनामी महिला नक्सलियों का आत्मसमर्पण

गढ़चिरौली। दो महिला नक्सलियों ने गुरुवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस व सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों पर आठ-आठ लाख का इनाम था। उनकी पहचान 36 वर्षीय प्रमिला सुखराम बोगा उर्फ मंजूबाई और 34 वर्षीय अखिला शंकर पुडो उर्फ रत्नमाला के रूप में हुई है। गढ़चिरौली के एसपी ने कहा कि प्रमिला व अखिला सुरक्षा बलों के साथ कई मुठभेड़ों में शामिल थीं। महिला नक्सली प्रतिबंधित माओवादी संगठन की प्लाटून पार्टी कमेटी की सदस्य थीं। 20 मुठभेड़ों और दो आगजनी से संबंधित अपराधों सहित 40 मामलों में नामजद प्रमिला बोगा पर 8 लाख रुपये का इनाम था।

ईडी के समन के खिलाफ केजरीवाल की अर्जी पर 9 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को 9 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया, जिसमें उन्होंने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से जारी समन को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह एवं न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने ईडी के जवाब पर लिखित जवाब दाखिल करने के लिए केजरीवाल को चार हफ्ते का अतिरिक्त समय भी दिया है।

मुंबई में उद्धव ठाकरे, शरद पवार और अखिलेश यादव से मिलेंगी ममता

मुंबई/कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात करेंगी। मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए मुंबई रवाना होने से पहले गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान बनर्जी ने कहा कि वह समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से भी मुलाकात करेंगी।

सर्राफा

चांदी (.999)	94,500
सोना स्टैंडर्ड	73,200

नशे के खिलाफ एक्शन

» पांच महीने में 4131 करोड़ की ड्रग्स जब्त » पुलिस अफसरों पर भी एक्शन

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र में एंटी नारकोटिक्स टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। वर्ष 2024 के पांच महीनों (जनवरी से मई तक) में महाराष्ट्र में चार हजार करोड़ रुपये से अधिक कीमत की नशीली दवाओं को जब्त किया गया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक एंटी नारकोटिक्स टीम ने पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार 360 फीसदी अधिक नशीली दवाओं को जब्त किया है। गुरुवार को विधानसभा में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बात की जानकारी दी।

अफसरों को भी किया गया निलंबित : फडणवीस

दरअसल, कांग्रेस पार्टी के नेता अशोक उर्फ भाई जगताप ने सदन में इस पर सवाल पूछा था। फडणवीस ने जगताप की सवाल का जवाब देते हुए ये बातें कहीं। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि नशीली दवाओं के कारोबार में कुछ पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता भी सामने आई और ऐसे अफसरों को निलंबित किया गया है।

नशे के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार की कड़ी कार्रवाई

विधानसभा में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि वर्ष 2023 में एंटी नारकोटिक्स टीम ने 12648 खोजी अभियान चलाए और 897 करोड़ रुपये की नशीली दवाओं को जब्त किया था। इसके अलावा वर्ष 2024 में मई तक टीम ने 6529 खोजी अभियान चलाए और 4131 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त कीं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के मुकाबले 360 फीसदी अधिक है।

नशे पर लगाम लगाने लिए नारकोटिक्स टीमों को गठन

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से अनुरोध किया था कि नशे पर लगाम लगाने के लिए नारकोटिक्स टीमों के गठन किया जाए। केंद्र ने सभी राज्यों के अलग-अलग विभागों से समन्वय बनाकर नशीली दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए कहा था। फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार को इस कारोबार में कुछ पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता की जानकारी मिली थी। ऐसे अफसरों को पुलिस सेवा से हटा दिया गया है।

मिहिर शाह का कबूलनामा

आरोप मिहिर शाह को अब गलती पर हुआ पछतावा

» कोर्ट ने 16 जुलाई तक के लिए रिमांड पर भेजा है

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के वर्ली बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन केस के आरोपी मिहिर शाह को अपनी गतली पर पछतावा हो रहा है। सेवरी कोर्ट ने शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर शाह को 16 जुलाई तक के लिए पुलिस कस्टडी में भेजा है। मिहिर ने अपने कबूलनामे के दौरान पुलिस से कहा है कि मैंने बड़ी गलती की है, मेरा करियर खत्म हो गया है। बुधवार की देर रात पुलिस ने वर्ली

इलाके में क्राइम सीन को फिर से बनाया। जहां मिहिर शाह ने कथित तौर पर एक जोड़े के स्कूटर को टक्कर मार दी थी और अपनी बीएमडब्ल्यू से 45 साल महिला को घसीट लिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मिहिर शाह के साथ परिवार के ड्राइवर राजर्षि बिदावत को भी अरेस्ट किया है। इससे पहले मिहिर शाहने पुलिस को बताया था कि हादसे के वक्त कार वही चला रहा था।

सीए परिणाम

मुंबई की किरण रंजन सिंह मंराल और नवी मुंबई के गिलमन सलीम अंसारी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने मई 2024 में आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स फाइनल और इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणामों की गुरुवार को घोषणा कर दी। फाइनल परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर राजधानी के शिवम मिश्रा ने पहला और वर्षा अरोड़ा ने दूसरा स्थान अर्जित किया। मुंबई की किरण रंजन सिंह मंराल और नवी मुंबई के गिलमन सलीम अंसारी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, इंटरमीडिएट परीक्षा में दिल्ली के मनित सिंह भाटिया ने तीसरा स्थान हासिल किया।

लातूर से भाजपा को झटका

पूर्व विधायक सुधाकर भालेराव राकांपा (एसपी) में हुए शामिल

दोपहर संवाददाता । लातूर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक सुधाकर भालेराव बृहस्पतिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) में शामिल हो गए। लातूर के उदगिर से विधायक रह चुके भालेराव ने पार्टी से इस्तीफा दिया और फिर मुंबई में वाई.बी. चव्हाण केंद्र में एक कार्यक्रम में राकांपा (शपा) में शामिल हुए। कार्यक्रम में शरद और सुप्रिया सुले व जयंत पाटिल समेत पार्टी के अन्य नेता उपस्थित थे। भालेराव 2009 और 2014 में विधानसभा चुनाव जीते थे, लेकिन 2019 में उन्हें हटाकर अनिल कांबले को टिकट दिया गया था। कांबले को अविभाजित राकांपा के संजय बंसोडे ने हरा दिया था। बंसोडे अब अजित पवार के गुट में हैं और राज्य के खेल मंत्री हैं।

फेक वीजा स्कैम का गजब खेल

200 फीसदी बढ़े फर्जी ट्रैवल एजेंट ● अब तक 100 गिरफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

अवैध तरीके से विदेश भेजने वाले फर्जी ट्रैवल एजेंटों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 200 फीसदी इजाफा हो गया है। इस बात का खुलासा दिल्ली पुलिस ने किया है। दिल्ली पुलिस ने जून के महीने में अब तक 100 से ज्यादा ऐसे फर्जी एजेंटों को पकड़ा है जो यात्रियों को अवैध तरीके से देश से बाहर भेजते थे। अधिकारी ने कहा कि इस अवधि तक पिछले साल की तुलना में ऐसे धंधेबाजों की संख्या 200 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। इन ट्रैवल एजेंटों को पंजाब, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से पकड़ा गया है। IGI Airport की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक साल 2023 में इसी अवधि के दौरान 51 फर्जी एजेंटों को गिरफ्तार किया गया था।

पूरे देश भर से की गई हैं गिरफ्तारियां

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, (IGI Airport), उषा रंगनानी ने कहा, 'हमने ऐसे 108 एजेंटों को पकड़ा है और यह गिरफ्तारियां पूरे देश भर से की गई है। पुलिस ने अब यात्रियों के बजाए अपना ध्यान ऐसे एजेंटों पर फोकस कर दिया है जो इस तरह अवैध तरीके से लोगों को विदेश भेज रहे हैं।' अधिकारी ने कहा दावा किया कि 75 लुक आउट सर्कुलर ऐसे एजेंटों के लिए जारी किए गए हैं जो विदेश भाग गए हैं या फिर जिनका कोई अता-पता नहीं है। पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि भारत से जाते या देश में आते वक्त उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

नक्सलवाद पर लगाम की तैयारी

महाराष्ट्र विधानसभा में पेश किया गया विधेयक

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने व्यक्तियों और संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को विधानसभा में एक विधेयक पेश किया, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जोर देकर कहा कि प्रभावी कानूनी माध्यमों से ग्रामीण और शहरी इलाकों में नक्सली संगठनों की बढ़ती मौजूदगी पर शिकंजा कसने की जरूरत है। 'महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा अधिनियम 2024' नामक इस विधेयक को शहरी क्षेत्रों में नक्सलवाद और उसके समर्थकों से होने वाले खतरों पर अंकुश लगाने के लिए अहम माना जा रहा है। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा ने गैरकानूनी

गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम के लिए जन सुरक्षा अधिनियम बनाए हैं। विधेयक में कहा गया है कि किसी गैरकानूनी संगठन से जुड़ने पर तीन से सात साल के जेल की सजा हो सकती है और 3 से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लग सकता है।

विधान परिषद सड़क निर्माण के ठेके में धांधली के आरोप

ठेकेदारों को बढ़ी हुई दर पर सड़क निर्माण के ठेके दिए गए : परब

दीपक पवार । मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल परब ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने सड़क निर्माण के लिए 89 हजार करोड़ रुपये का ठेका दिया है जबकि इन परियोजनाओं की वास्तविक लागत 49 हजार करोड़ रुपये है। विधान परिषद में उन्होंने दावा किया कि यह निर्माण कंपियों से अगामी विधानसभा के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया गया।

क्या है परब का आरोप ?

परब ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार ने राजमार्ग निर्माण के लिए 89 हजार करोड़ रुपये की निविदा जारी की। लेकिन इन निविदाओं की वास्तविक कीमत 49 हजार करोड़ रुपये थी। इसके बावजूद कुछ निर्माण कंपनियों को अधिक कीमत पर ठेके दिए गए। इसका उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव के लिए धन एकत्र करना है।

कई परियोजना सवालों के घेरे में

उन्होंने कहा कि विरार-अलीबाग, नागपुर-गोंदिया-चंद्रपुर और जालना-नागपुर राजमार्ग एवं पुणे रिंग रोड परियोजना सवालों के घेरे में है। परब ने कहा, ''इन सभी राजमार्गों के ठेके बढ़े हुए दाम पर दिए गए। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण छह लेन की एक किलोमीटर सड़क का निर्माण 86 करोड़ रुपये में करता है जबकि महाराष्ट्र सरकार ने आठ लेन की सड़क का ठेका 266 करोड़ प्रति किलोमीटर की दर से दिया है। यह सरकार की मंशा पर संदेह पैदा करता है।'' उन्होंने दावा किया कि इन परियोजनाओं के लिए कोई प्रशासनिक या मंत्रिमंडल की मंजूरी नहीं ली गई। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने सवाल किया कि राज्य सरकार सड़क परियोजनाओं पर इतना खर्च क्यों कर रही है जबकि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का मंत्रालय (सड़क परिवहन और राजमार्ग) 86 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर की लागत से बेहतर छह लेन वाली सड़क बना सकता है।

सुधाकर शिंदे को लेकर भी सरकार पर निशाना

परब ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस)के अधिकारी सुधाकर शिंदे की बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में प्रतिनियुक्ति पर विस्तारित तैनाती को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि शिंदे भाजपा विधायक से जुड़े हुए हैं।

मामूली बात पर वृद्ध मां की कर दी हत्या

आरोपी बेटा गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महानगर के ग्रांट रोड इलाके में अपनी वृद्ध मां की हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपित बेटे को गिरफ्तार किया है। युवक ने मामूली बात पर बुधवार की रात अपनी मां की चाकू से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपित सुभाष (64) अपनी मां रमाबाई नाथू पिसाल (78) के साथ ग्रांट रोड इलाके के एक छोटे कमरे में रहता था। सुभाष की पत्नी उसे छोडक़र चली गई थी, इसलिए वह परेशान रहता था। युवक भाजी की दुकान पर काम कर अपनी आजीविका चलाता था। घर में मां के घरेलू काम करने से युवक की नींद खराब होती थी। इसी वजह से सुभाष ने बुधवार रात को अपनी मां रमाबाई की चाकू से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध ढाबे और डांस बार पर तोड़क कार्रवाई ठंडाई

पुलिस ने शहर में 33 अवैध बार और मनपा ने केवल 8 बार पर की कार्रवाई

दोपहर संवाददाता । कल्याण

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नाबालिगों को नशीली पदार्थ से बचने के उद्देश्य से स्पष्ट आदेश दिया है कि शहर में शुरू डांस बार, हुक्का पार्लर व अवैध ढाबे पर कार्रवाई करो, कुछ दिन कार्रवाई होने के बाद अब कार्रवाई ठंडे बस्ते चली गई हैं। कल्याण डोंबिवली क्षेत्र में दो सौ से अधिक बार और अवैध ढाबे हैं। कल्याण जोन-3 पुलिस ने मनपा को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिनमें 33 बार शामिल है। उनमें से कुछ बार अवैध हैं और इन बारों में आए दिन विवाद होता है। इन बारों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। लेकिन कल्याण डोंबिवली मनपा ने इनमें से केवल आठ बार और कुछ ढाबों के खिलाफ कार्रवाई की है।

राजकीय नेताओं के दबाव पर कार्रवाई रुकी क्या?

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अन्य बारों पर राजनीतिक दबाव के कारण कार्रवाई रोक दी गई है। इस मामले में मनपा के उपायुक्त अवधूत तावड़े के मुताबिक, 8 बार जो सरकारी परिसर में बने थे और जिनके खिलाफ अधिक मामले दर्ज थे, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है और जिन बारों की सूची पुलिस से प्राप्त हुई है, उन्हें नोटिस दिया गया है। वार्ड क्षेत्र स्तर पर बार के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और वार्ड क्षेत्र अधिकारी आपदा प्रबंधन में व्यस्त हैं, इसलिए कार्रवाई की गति धीमी हो गई है।

समृद्धि एक्सप्रेसवे पर गड्ढे के कारण यातायात प्रभावित

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले के शहापुर में नागपुर-मुंबई समृद्धि एक्सप्रेसवे के हिस्से पर गड्ढे होने के कारण बृहस्पतिवार को कई घंटों तक यातायात प्रभावित रहा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह गड्ढा शेरे बेरे और शेंद्रुण गांव के बीच देखा गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह वही मार्ग है जहां पिछले वर्ष अगस्त में एक क्रेन के गिर जाने से एक्सप्रेसवे के निर्माण में लगे कई श्रमिकों की मौत हो गई थी। इस 701 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे का तीसरा चरण नासिक को मुंबई से जोड़ता है।

सेवानिवृत्त 72 वर्षीय बैंक मैनेजर से 72 लाख की ठगी

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

महाराष्ट्र के डोंबिवली मानपाड़ा पुलिस ने एक सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर से 72 लाख की ठगी करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। इन तीनों के नाम सर्वेश कुमार, महेंद्र कुमारम, राज राजपूत हैं। एक बड़ी वित्तीय कंपनी से डेटा प्राप्त करके सेवानिवृत्त 72 वर्षीय बैंक मैनेजर से 72 लाख की ठगी के बाद 14 लाख और लेने को तैयार थे। लेकिन ठगी का शिकार हुए व्यक्ति के बेटे ने होशियारी दिखाई और पूरा मामला का खुलासा हुआ। पुलिस ने अब तक आरोपियों से 72 लाख रुपये में से 9 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं और धोखाधड़ी के शिकार 72 वर्षीय व्यक्ति मधुकर पराते को लौटा दिए हैं। इस मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज

इस बहाने फरवरी से मार्च के बीच पराते से आरोपियों ने 72 लाख रुपए ले लिए गए। फोन करने वाले ने पराते से 14 लाख रुपये और मांगे। पराते के पास पैसे नहीं थे। पराते के दोनों बेटे बड़ी कंपनियों में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। पराते ने बच्चों से पैसे मांगे। बच्चों ने पूछा कि उन्हें पैसे क्यों चाहिए, तब पराते ने बच्चों को सारी बात बता दी। सच्चाई सुनने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि कोई उनके पिता को ठग रहा है। इस मामले में उन्होंने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

ऐसे हुई धोखाधड़ी

फ़ोन कॉल के माध्यम से, वित्तीय लाभ का लालच देकर और कभी-कभी खाता बंद होने के डर से ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाएं बढ़ गई है। इन बढ़ते अपराधों के चलते पुलिस व्यवस्था भी अस्त-व्यस्त हो गई है, कुछ ऐसी ही स्थिति डोंबिवली में सामने आई है। डोंबिवली पूर्व के खोनी पलावा इलाके के निवासी मुधकर पराते एक बैंक में डिवीजन मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। वह कुछ साल पहले सेवानिवृत्त हुए, उन्होंने एक वित्तीय कंपनी में निवेश किया था। उनका निवेश सीमा ख़त्म होने वाला था। फरवरी में उनके पास कॉलर का फोन आया और उसने कहा कि, जिस कंपनी में आपने पैसे निवेश किए है, उसे आपके एजेंट ने धोखा दिया है, आपका नुकसान हुआ है। आपको ज्यादा लाभ की राशि नहीं मिली है। यह सुनकर पराते हैरान रह गए, उसने तुरंत उस व्यक्ति से पूछा कि मुझे मेरे पैसे कैसे मिलेंगे। एक पल की भी देरी किए बिना, दूसरे व्यक्ति ने पराते के मोबाइल फोन पर तीन फॉर्म भेजे और कहा कि, अगर आप पैसे वापस चाहते हैं तो आपको ये फॉर्म भरकर एक निश्चित रकम चुकानी होगी।

जांच जारी, 9 लाख रुपए बरामद

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। इस मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। दो युवक सर्वेश कुमार और महेंद्र कुमार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। उनकी गिरफ्तारी के बाद जांच के दौरान उन्होंने तीसरे साथी का नाम लिया और बैंक अकाउंट का इस्तेमाल करने वाले राज राजपूत को पुलिस ने गोवा के एक कैसीनो से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को शक है कि इन तीनों के कुछ और साथी भी हैं और पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि जिस कंपनी में पराते ने पैसा लगाया था, वहां से पराते के निवेश की जानकारी इन तीनों तक कैसे पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 9 लाख रुपये बरामद किए हैं। यह रकम पराते को वापस कर दी गई है।

बंद पड़े कोविड सेंटर से एयर कंडीशनर समेत कई सामग्री की चोरी

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

शहर के स्व. परशुराम टावरे स्टेडियम स्थित खुदाबक्ष हॉल में कोविड काल के दौरान शुरू किया गया कोविड सेंटर अब वर्तमान में बंद अवस्था में पड़ा है। इस कोविड सेंटर में 14 एयरकंडीशनर चोरी किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगर पालिका ने खुदाबक्श हॉल में कोविड सेंटर शुरू किया था, कोविड संक्रमण के मामले कम होने के बाद इस कोविड सेंटर को बंद कर दिया गया था। लेकिन नगर पालिका द्वारा इस की देखरेख नहीं होने के कारण यहां की सुरक्षा व्यवस्था खस्ताहाल है, इसी मौके का फायदा उठाकर चोर ने कोविड सेंटर का पिछला दरवाजा तोड़ कर अंदर घुस गए और वहां से 74 हजार रुपये के करीब 14 एयरकंडीशनर, 29 सीलिंग फैन, एलईडी टीवी, इनवर्टर , बैटरी, ऑक्सीजन ले जाने वाली कॉपर की पाइप लाइन चोरी कर फरार हो गए।

परिवर्तनीय आत्मचिंतन पुस्तक का प्रकाशन

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

परिवर्तनीय आत्मचिंतन पुस्तक का प्रकाशन समारोह को डोंबिवली में हाउसिंग सोसाइटी के रीजेंसी एस्टेट इलाके में आयोजित किया गया। लेखक रामचंद्र नष्टे द्वारा लिखित पुस्तक को वरिष्ठ नागरिकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिली। इस कार्यक्रम में गणेश मंदिर संस्थान की अध्यक्ष अलका मुतालिका, कांग्रेस नेता अमित म्हात्रे, नंदिनी वलेहणकर, डॉ शुभदा खटावकर, ऐडवो बापट व अन्य मान्यवर उपस्थित थे। इस समय मौजूद मान्यवरो ने समाज की विविध गतिविधियों के बारे में उपस्थित लोगो का मार्गदर्शन किया।

मुंबई में फेरीवालों का एल्गार

महानगर पालिका की कार्रवाई का किया विरोध

दीपक पवार । मुंबई

मुंबई नगर निगम पुलिस विभाग के साथ मिलकर उच्च न्यायालय के आदेश को लागू कर रहा है। इससे फेरीवालों में असंतोष है। इसके चलते मुंबई में सैकड़ों फेरीवाले इकट्ठा होने लगे हैं। हॉकर्स हॉकर्स सभा (सीटू) ने राज्य सरकार से हॉकर्स अधिनियम, 2014 को लागू करने के लिए तुरंत योजना बनाने और हॉकरों पर चल रही कार्रवाई को रोकने के आदेश देने की मांग की है।

15 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन

सीटू से संबद्ध जनवादी हॉकर्स सभा की ओर से हॉकरों ने 15 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में सैकड़ों फेरीवाले शामिल हुए। संगठन ने मांग की है कि राज्य सरकार नगर निगम और पुलिस प्रशासन के माध्यम से की जा रही कार्रवाई को रोकने और हॉकर एक्ट 2014 को राज्य में लागू करने का आदेश दे।

दफ्तरी रोड मलाड, कुरार, मलाड पश्चिम, गोरेगांव पश्चिम, जोगेश्वरी पूर्व, अंधेरी में प्रदर्शन का नेतृत्व कैलास भगत, जमुनाप्रसाद गुप्ता, राजेश आर्य, कल्पनाथ भगत, राधेश्याम गुप्ता, रवीन्द्र ढिक्के, दिनेश गुप्ता, उमेश गुप्ता ने किया। पश्चिम, मरोल, क्रांतिनगर, मानखुर्द, प्रमोद गुप्ता सहित अन्य ने भी किया। इस खंड में 3 जगहों पर हुए प्रदर्शन में सैकड़ों हॉकरों को उतार दिया गया, क्योंकि राज्य सरकार की देरी का खामियाजा हॉकरों को भुगतना पड़ रहा है, इसलिए मांग की गयी कि राज्य सरकार हॉकर कानून को तुरंत लागू करने की योजना बनाये। यह उल्लेख किया गया था कि 2014 के सर्वेक्षण में भाग लेने वाले फेरीवाले संरक्षित फेरीवाले हैं और उन पर कानून के अनुसार मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए, उन्हें विनियमित करने और उनकी आजीविका की रक्षा के लिए हर 5 साल में एक सर्वेक्षण करना और उन्हें प्रमाण पत्र जारी करना आवश्यक है। कार्यक्रम गोरेगांव पश्चिम रेलवे स्टेशन पर हरिचरण चव्हाण, अनीस शेख, लल्लन यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जोगेश्वरी पूर्व रेलवे स्टेशन क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व के। धनपाल एवं एंथोनी गेब्रियल ने किया। यहां मुख्य मार्गदर्शन सीपीआई (एम) के राज्य समिति सदस्य कॉमरेड शैलेन्द्र कांबले ने किया।

सांसद डॉ. हेमंत सवरा ने की वसई-विरार मनपा के विकास कामों की समीक्षा बैठक

दोपहर संवाददाता । पालघर

पालघर लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद नवनिर्वाचित सांसद डॉ. हेमंत सवरा के पास वसई विरार महानगरपालिका (वीवीएमसी) क्षेत्र की अनेक समस्याओं को लेकर वसई तालुका की जनता, महायुति के कार्यकर्ताओं और विविध संगठनों ने निवेदन किया था। इसे ध्यान में रखते हुए 11 जुलाई को महानगरपालिका मुख्यालय में मनपा, बिजली, सार्वजनिक बांधकाम, महामार्ग, पुलिस प्रशासन और महसूल विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। मनपा आयुक्त द्वारा सांसद के सत्कार के पश्चात बैठक की शुरुआत की गई।

केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना की जानकारी सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से ली

सूचना प्रमुख मनोज बारोट ने बताया कि बैठक के दौरान पानी, बिजली, ट्रैफिक, स्वास्थ्य जैसी जनसमस्याओं के साथ-साथ केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना की जानकारी सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से ली गई और इन कामों में जो त्रुटि है, उसमे तत्काल सुधार कर कामों में गति लाने के लिए कहा गया। सांसद सवरा ने कहा कि यदि केंद्र सरकार से संबंधित कामों को लेकर कोई भी समस्या है, तो मुझे तत्काल अवगत कराया जाए, ताकि संबंधित मंत्रालय के अधिकारियों से मिलकर काम पूर्ण किया जा सके। इसी के साथ केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं को जनभागीदारी से जरूरतमंदों तक पहुंचाने की भी सूचना अधिकारियों को सांसद ने दी।

ठाणे मनपा आयुक्त ने घोड़बंदर रोड पर मेट्रो निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

दोपहर संवाददाता । ठाणे

पिछले सप्ताह से घोड़बंदर रोड पर ट्रैफिक जाम की पृष्ठभूमि में नगर निगम आयुक्त सौरभ राव ने आज ईस्ट एक्सप्रेसवे पर माझीवाडा जंक्शन से कपूरबावडी जंक्शन तक विभिन्न अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस समय मेट्रो अथॉरिटी के माध्यम से चल रहे कार्यों को तुरंत पूरा किया जाए, साथ ही विभिन्न प्राधिकरणों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों पर बने गड्ढों को ठीक करने का आदेश देते हुए यह भी संकेत दिया कि सभी प्राधिकरण समन्वय बनाकर ही काम करें। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, शहर अभियंता प्रशांत सोनगरा, यातायात पुलिस उपायुक्त विनय कुमार राठौड़, सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण आदि उपस्थित थे।

मेट्रो कार्य की समीक्षा

ठाणे मनपा कमिश्नर ने ज्यूपिटर हॉस्पिटल, माझीवाड़ा नाका, कपूरबावड़ी क्षेत्र में चल रहे मेट्रो कार्य की समीक्षा की। दरअसल जगह-जगह मेट्रो कार्य के लिए की गई बैरिकेडिंग के कारण इन स्थानों पर लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है इस कार्य में बाधा उत्पन्न किए बिना जाम से कैसे निपटा जा सकता है, इस दृष्टिकोण से योजना बनाई जानी चाहिए। कपूरबावड़ी जंक्शन पर पेपर प्रोडक्ट्स कंपनी के बगल वाले पुल पर गर्डर खड़ा करने का काम पिछले कई दिनों से चल रहा है, आयुक्त ने यह भी सुझाव दिया कि इस काम को युद्ध स्तर पर पूरा किया जाना चाहिए और उक्त पुल को यातायात के लिए खोल दिया जाना चाहिए।

इंदु मिल इंटरनेशनल डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर का स्मारक जल्द पूरा होगा : फड़णवीस

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के इंदु मिल में बनने वाली डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के स्मारक का निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है। प्रतिमा के मॉडल को भी मंजूरी मिल गयी है. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस स्मारक में लगी प्रतिमा भव्य होने के कारण इसमें समय लग रहा है। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने विधान परिषद में कहा कि स्मारक का पूरा काम जल्द पूरा कर लिया जाएगा.

रेलवे बोर्ड के महानिदेशक रेल स्वास्थ्य सेवा ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मेमोरियल अस्पताल का किया निरीक्षण

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महानिदेशक रेल स्वास्थ्य सेवा (डीजीआरएचएस) डॉ. मान सिंह ने हाल ही में मध्य रेल के भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल, भायखला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रधान कार्यकारी निदेशक (स्वास्थ्य) (पीईडी) डॉ. एम रवींद्रन भी उपस्थित थे।

सभी सुविधाओं का निरीक्षण किया और कार्यों की सराहना की

डॉ. सिंह ने अस्पताल की सभी सुविधाओं का निरीक्षण किया और कार्यों की सराहना की. उन्होंने परिसर में बन रहे न्यू ग्राउंड+6 मंजिला भवन का भी निरीक्षण किया और इसे शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल द्वारा खरीदे गए चिकित्सा उपकरणों का भी उद्घाटन किया। उन्होंने सभी डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों को न केवल विशिष्ट सेवाओं, बल्कि जनता के दैनिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। भारतीय रेल स्वास्थ्य सेवा अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान, डीजीआरएचएस ने डॉक्टरों को उम्मीदवारों और कर्मचारियों की चिकित्सा जांच से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में बताया। उन्होंने बहुमूल्य सुझाव दिए जिनका सभी डॉक्टरों ने स्वागत किया। दोपहर बाद, डीजीआरएचएस और पीईडी (स्वास्थ्य) ने मध्य रेल के विभिन्न मंडलों के सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों के साथ बैठक की और चिकित्सा परीक्षण, दवा खरीद, जनशक्ति योजना आदि में प्रशासनिक मुद्दों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मध्य रेल की प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. शोभा जगन्नाथ, चिकित्सा निदेशक डॉ. सुषमा माटे और भायखला अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर और अधिकारी भी उपस्थित थे।

क्रेन दुर्घटना प्रकरण चालक व ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका में बुधवार को सरावली एमआईडीसी के रौनक डाइंग कंपनी में 14 फीट वजनी 4 टन लोहे के पाइप को हाइड्रा क्रेन से उठाने के दौरान कमजोर पट्टा टूटने और पाइप गिरने से दो श्रमिकों की मौत के लिए क्रेन ठेकेदार सुरेश राजा पान और क्रेन चालक रईस मोहम्मद कासिम शेख को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस संबंध में मृतक मजदूर बाळाराम चौधरी के बेटे संकेत चौधरी ने शिकायत दर्ज कराकर दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है।

ठाणे मनपा का प्लास्टिक जब्ती अभियान

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग, अतिक्रमण विभाग और प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने आज पूरे ठाणे मनपा क्षेत्राधिकार में एकल उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध के संबंध में ठोस कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में कुल 293 प्रतिष्ठानों का दौरा किया गया और 256 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया और कुल 1 लाख 27 हजार 100 रुपये का जुर्माना वसूला गया. उक्त कार्रवाई नगर निगम आयुक्त सौरभ राव के आदेशानुसार उपायुक्त के मार्गदर्शन में की गयी।

इन वार्डों से हुई इतनी जब्ती

ठाणे नगर निगम क्षेत्र में दिवा वार्ड समिति के अंतर्गत 32 प्रतिष्ठानों पर जाकर 04 किलोग्राम एकल उपयोग प्लास्टिक जब्त किया गया और कुल 6 हजार का जुर्माना वसूला गया। कलवा वार्ड समिति के तहत 30 प्रतिष्ठानों का दौरा किया गया और 11 किलो प्लास्टिक जब्त किया गया और कुल 13 हजार का जुर्माना वसूला गया. मुंब्रा वार्ड समिति के तहत 23 प्रतिष्ठानों का दौरा किया गया और 50 किलोग्राम एकल उपयोग प्लास्टिक जब्त किया गया और कुल 30 हजार का जुर्माना वसूला गया। उथलसर वार्ड समिति के तहत कुल 35 प्रतिष्ठानों का दौरा किया गया और 30 किलोग्राम एकल उपयोग प्लास्टिक जब्त किया गया और कुल 57 हजार का जुर्माना वसूला गया। नौपाड़ा कोपरी वार्ड समिति के अंतर्गत 25 प्रतिष्ठानों का दौरा कर 08 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त कर 14 हजार रु. इतना जुर्माना वसूला गया.। वागले इस्टेट और लोकमान्य सावरकरनगर वार्ड समिति के अंतर्गत कुल 68 प्रतिष्ठानों का दौरा किया गया और 20 किलोग्राम एकल उपयोग प्लास्टिक जब्त किया गया और कुल 8 हजार 100 रुपये की वसूली की गई। इतना जुर्माना वसूला गया. वर्तकनगर वार्ड समिति के अंतर्गत कुल 35 प्रतिष्ठानों का दौरा किया गया और 08 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया और कुल 9 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

माजीवाड़ा मानपाड़ा वार्ड समिति के अंतर्गत कुल 45 प्रतिष्ठानों पर जाकर कुल 125 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर कुल 41 हजार 500 रुपये जब्त किये गये ।

256 केजी बरामद सवा लाख जुर्माना

परियोजना प्रभावित लोगों को घर उपलब्ध कराने को लेकर सरकार सकारात्मक : सामंत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न शहरी विकास परियोजनाएं चल रही हैं। इसलिए, जैसे-जैसे परियोजना प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ रही है, उनके फ्लैट और गैर-आवासीय भूखंडों की मांग भी बढ़ रही है। 2017 से अब तक मुंबई शहर में 4870 परियोजना प्रभावित लोगों को घर दिए गए हैं। मंत्री उदय सामंत ने विधानसभा में बताया कि सरकार परियोजना प्रभावित लोगों को घर उपलब्ध कराने के लिए सकारात्मक है और म्हाडा के साथ बैठक की जाएगी।

विभाग स्तर पर आर्थिक मुआवजा

इस संबंध में सदस्य विद्या ठाकुर ने एक दिलचस्प सुझाव दिया। इस बारे में बात करते हुए मंत्री सामंत ने कहा कि मुलुंड में परियोजना प्रभावित लोगों को 6 हजार 90 घर दिए गए हैं और भांडुप में भी घर बनाए जा रहे हैं। गोरेगांव के 700 प्रोजेक्ट प्रभावित लोगों के संबंध में म्हाडा के साथ बैठक कर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

नगर निगम के आवश्यक प्रोजेक्ट में प्रथम और द्वितीय प्राथमिकता क्रमांक वाले प्रोजेक्ट पीड़ितों को फ्लैट के बदले 25 लाख का आर्थिक मुआवजा दिया जाता है, जबकि तृतीय प्राथमिकता क्रमांक वाले प्रोजेक्ट पीड़ितों को न्यूनतम 25 से अधिकतम 40 लाख तक का मुआवजा दिया जाता है। वित्तीय मुआवजा बढ़ाने के संबंध में आयुक्त की अध्यक्षता में मुंबई नगर निगम की समन्वय समिति के साथ चर्चा की जाएगी।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार | कला और वाणिज्य दुश्मन नहीं हैं : जोशिया वेजवुड

न्यूज़ ब्रीफ

उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत के फैसले पर जताई हैरानी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

गोवा की एक सत्र अदालत ने एक आरोपी को ज़मानत देते हुए शर्त लगायी कि वह अपना पासपोर्ट जमा कराए लेकिन उसके पास पासपोर्ट था ही नहीं। निचली अदालत के इस तरह के आदेश पर बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने हैरानी जताई। एकल पीठ के न्यायमूर्ति भरत देशपांडे ने नौ जुलाई को आरोपी की ज़मानत की शर्तों में सुधार करने की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सत्र अदालत ने एक 'अजीब तरीका' अपनाया और आरोपी को चार महीने के भीतर अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि इस तरह के आदेश से सत्र अदालत स्पष्ट रूप से आरोपी को पासपोर्ट के लिए आवेदन करने और फिर उसे जमा करने का आदेश दे रही है। न्यायमूर्ति देशपांडे ने सवाल किया कि क्या अदालत यह उम्मीद कर रही है कि आरोपी पहले पासपोर्ट के लिए आवेदन करेगा, उसे हासिल करेगा और फिर जेल से रिहा होने से पहले उसे पुलिस के पास जमा करेगा।

CBI के ऑफिस में मिली शीना बोरा की हड्डियां

अभियोजन पक्ष ने किया कोर्ट में दावा

मुंबई। शीना बोरा हत्याकांड मामले में नया मोड़ आ गया है। अभियोजन पक्ष ने शीना बोरा की कथित हड्डियों एवं अवशेषों का पता नहीं चल पाने की सूचना देने के कुछ सप्ताह बाद कोर्ट में दावा किया कि ये हड्डियां एवं अवशेष नई दिल्ली स्थित केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के कार्यालय में मिले। शीना बोरा (24) की 2012 में उनकी मां इंद्राणी मुखर्जी और अन्य ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी। यह खुलासा उस दिन हुआ, जब निचली अदालत को मिले एक ईमेल में आरोप लगाया गया कि शीना की हड्डियां गायब नहीं हुई थीं, बल्कि वे एक फॉरेंसिक विशेषज्ञ के पास हैं, जिसने उनकी जांच की थी और जो गवाह के तौर पर अदालत के सामने गवाही दे रहा था। ईमेल में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस गवाह ने अचानक बहुत संपत्ति अर्जित कर ली है। विशेष सीबीआई जस्टिस एस पी नाइक निंबालकर ने बुधवार को अदालत में मौजूद बचाव पक्ष के वकीलों को ईमेल के बारे में जानकारी दी।

शिवाजी महाराज के 'वाघ नख' को लेकर मचा बवाल

मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने भी दी सफाई

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने पिछले साल लंदन के एक संग्रहालय से छत्रपति शिवाजी महाराज के वाघ नख को वापस लाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। वहीं अब महाराष्ट्र के एक इतिहासकार इंद्रजीत सावंत ने दावा किया है कि लंदन से लाया जा रहा शिवाजी का 'वाघ नख' असली नहीं है। जिस दावे का राज्य सरकार ने खंडन किया है।

संग्रहालय के पास नहीं है कोई सबूत: मंत्री

महाराष्ट्र के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि किसी ने यह दावा नहीं किया है कि लंदन से राज्य में लाया जा रहा 'वाघ नख' या बाघ के पंजे के आकार का हथियार छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने इस दावे को भी खारिज कर दिया कि सरकार ने लंदन के विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय से इस हथियार को महाराष्ट्र लाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए और कहा कि यात्रा व्यय और समझौते पर हस्ताक्षर करने में 14 .08 लाख रुपये खर्च हुए। उनकी यह टिप्पणी एक इतिहासकार के उस दावे के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि मराठा साम्राज्य के संस्थापक द्वारा बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान को मारने के लिए इस्तेमाल किया गया वाघ नख सतारा में ही था।

वाघ नख तीन साल के लिए लाया जाएगा भारत

मुनगंटीवार ने सदन को बताया कि वाघ नख को तीन वर्षों की अवधि के लिए लंदन से लाया जाएगा तथा 19 जुलाई से राज्य के सतारा स्थित एक संग्रहालय में प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि लंदन स्थित संग्रहालय ने शुरू में हथियार को एक साल के लिए देने पर सहमति जताई थी, लेकिन राज्य सरकार ने इसे राज्य में तीन साल के लिए प्रदर्शन के लिए सौंपने के लिए राजी कर लिया। सांस्कृतिक मामलों के मंत्री ने सदन को बताया कि वाघ नख को 19 जुलाई को योद्धा राजा के वंशजों की मौजूदगी में सतारा स्थित सरकारी संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज एक आदर्श शासक थे और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, कोई भी यह दावा नहीं करता कि लंदन से लाया गया यह वाघ नख शिवाजी महाराज द्वारा इस्तेमाल किया गया था... हमें शिवाजी महाराज के अनुयायियों द्वारा फोटो साक्ष्य दिए गए थे कि लंदन संग्रहालय में जिस बॉक्स में वाघ नख रखा गया था, उसमें उल्लेख किया गया था कि इसका इस्तेमाल अफजल खान को मारने के लिए किया गया था। हमने भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों के साथ-साथ संग्रहालय के अधिकारियों से भी बात की। संग्रहालय ने कभी यह उल्लेख नहीं किया कि हथियार शिवाजी महाराज का था और अफजल खान को मारने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

सरकार ने खर्च किए 14 लाख रुपए

उन्होंने कहा, 5 नवंबर 2022 को अफजल खान की कब्र के आसपास से अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी। तदनुसार, यह 10 नवंबर को किया गया, जिस दिन शिवाजी महाराज ने वाघ नख (1659 में) का उपयोग करके अफजल खान को मार डाला था। मुनगंटीवार ने कहा कि सरकार ने वाघ नख को भारत लाने के लिए लंदन की यात्रा और वहां के संग्रहालय के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए 14 .08 लाख रुपये खर्च किए। उन्होंने कहा, हम यहां वाघ नख को प्रदर्शित करने के लिए कोई किराया नहीं दे रहे हैं। इतिहासकार इंद्रजीत सावंत ने हाल ही में कहा है कि लंदन से महाराष्ट्र लाया जा रहा वाघ नख शिवाजी महाराज का नहीं है, क्योंकि मूल वाघ नख सतारा में मराठा योद्धा राजा के वंशजों के पास है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वाघ नख को तीन साल के लिए 30 करोड़ रुपये के ऋण समझौते पर राज्य में लाया जा रहा है।

पूजा को भारी पड़ी शोशेबाजी

पीएमओ ने मांगी रिपोर्ट

कार पर लालबत्ती मामले में आईएएस अधिकारी पूजा खेडेकर के घर पहुंची पुलिस

मुंबई। विवादों में आई प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडेकर की मुश्किले बढ़ती जा रही हैं। अपने निजी कार पर लालबत्ती लगाने के मामले में गुरुवार को पुलिस खेडेकर के बंगले पर पहुंची पर उनकी मां ने दरवाजा नहीं खोला। पुणे पुलिस ने खेडेकर को नोटिस जारी किया है। इस बीच प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने भी इस मामले में रिपोर्ट मांगी है। विवादास्पद आईएएस अधिकारी खेडकर ने गुरुवार को वाशिम में सहायक जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण कर लिया लेकिन इन दावों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास करने के लिए अवैध तरीकों का इस्तेमाल किया था।

खेडकर को सोमवार को धमकाने और अनुचित व्यवहार के आरोपों के चलते पुणे से वाशिम स्थानांतरित कर दिया गया था। उन पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में स्थान पाने के लिए विकलांग श्रेणी और अन्य पिछड़ा वर्ग के तहत लाभों का कथित रूप से दुरूपयोग करने का भी आरोप है। खेडेकर ने कहा कि मैं वाशिम जिला समाहरणालय में अपना प्रभार संभालकर खुश हूं और यहां काम करने को लेकर आशान्वित हूं।' जब उनसे उन पर लगे आरोपों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं इस मुद्दे पर बोलने के लिए अधिकृत नहीं हूं। सरकारी नियम मुझे इस पर बोलने की अनुमति नहीं देते।'

ऑडी से बोलेरो पर आई

पुणे में अपने कार्यकाल के दौरान लालबत्ती वाली शानदार ऑडी कार का इस्तेमाल करने वाली खेडकर को वाशिम में जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई एक साधारण बोलेरो कार से उतरते देखा गया। गुरुवार को जब पुणे पुलिस के अधिकारी लालबत्ती और वीआईपी नंबर संबंधी उल्लंघनों को लेकर ऑडी कार का निरीक्षण करने के लिए पुणे में खेडकर के बंगले पर गए तो उन्होंने पाया कि बंगले के गेट बंद हैं। खेडेकर की उस निजी कार पर ट्रैफिक नियमों के उलंघन को लेकर 26 हजार रुपए का जुर्माना भी लगा है। जिसे जमा नहीं किया गया है। इसमें तेज रफ्तार वाहन चलाना का भी मामला है।

जिलाधिकारी की शिकायत पर हुई कार्रवाई

जब पुणे के जिलाधिकारी सुहास दिवासे ने महाराष्ट्र के अवर मुख्य सचिव नितिन गद्रे को पत्र लिखकर उनसे खेडकर को अन्य जिले में भेजने पर विचार करने का अनुरोध किया था। पुणे के जिलाधिकारी दिवसे ने खेडकर के खिलाफ उनके व्यवहार को लेकर कार्रवाई की अपील की थी, जिसमें कनिष्ठ कर्मचारियों के साथ आक्रामक आचरण, अतिरिक्त जिलाधिकारी अजय मोरे के चैंबर पर अवैध कब्जा और ऑडी पर लाल बत्ती लगाने और दिन में उसे चालू कर के चलने से संबंधित उल्लंघन शामिल थे।

पूजा खेडेकर मामले की होगी जांच : कदम

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडेकर मामले में अब भाजपा भी कुद पड़ी है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता व विधायक राम कदम ने कहा है कि इस मामले की सरकार जांच कराएगी। कदम ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में मंत्री भी अपने वाहन पर लालबत्ती नहीं लगाते। ऐसे में एक अधिकारी द्वारा अपनी निजी कार पर लालबत्ती लगाने से गलत संदेश जाता, भाजपा विधायक ने कहा कि सभी आईएएस अधिकारियों को एक नजर से नहीं देखा जाना चाहिए।

दिशा सालियान मामला

एसआईटी ने भाजपा विधायक नितेश राणे को भेजा समन

दिशा सालियान की मौत के बारे में जानकारी साझा करने को कहा

दोपहर संवाददाता | मुंबई

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच कर रही मुंबई पुलिस की विशेष जांच टीम ने भाजपा विधायक नितेश राणे समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि पुलिस ने भाजपा विधायक से केस के बारे में जो भी जानकारी है, वह साझा करने को कहा है।

केस फाइल

गौरतलब है कि दिशा सालियान 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में, जिस इमारत में रहती थी, उसके परिसर में मृत पाई गई थीं। अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि मामले की जांच कर रहे मालवानी पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक चिमाजी अधव ने नितेश राणे को एसआईटी का पत्र भेजा था। राणे से कहा गया है कि सलियन की मौत के बारे में यदि उन्हें कोई भी जानकारी हो तो उसे जांच अधिकारी (आईओ) के समक्ष उपस्थित होकर बताएं।

पिछले साल गठित की गई थी एसआईटी

अधिकारी ने पत्र के हवाले से कहा, राणे अपने समय के अनुसार आ सकते हैं और किसी भी असुविधा से बचने के लिए उन्हें मालवणी पुलिस स्टेशन जाने से पहले अधव को फोन करने के लिए कहा गया है।र पुलिस के अनुसार सलियन (28) ने मलाड में एक ऊंची इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

'पार्टियों को आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता'

निम्न स्तर की राजनीति पर धनखड़ ने जताई चिंता

दोपहर संवाददाता | मुंबई

देश की राजनीति दिन पर दिन नीचे गिरती जा रही है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बात दुख व्यक्त करते हुए सभी राजनीतिक दलों से आत्मनिरीक्षण करने का आह्वान किया। वहीं राज्य विधान परिषद के शताब्दी समारोह के अवसर पर महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद जरूरी है जो कि इन दिनों राजनीतिक पार्टियों के बीच गायब हो चुका है।

राज्य विधान परिषद के शताब्दी समारोह में हुए शामिल

राज्य विधान परिषद के शताब्दी समारोह के अवसर पर महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को गुरुवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने दिन पर दिन निम्न स्त्र पर पहुंचती जा रही राजनीति पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बहस और संवाद से पनपता है, लेकिन वर्तमान में राजनीतिक दलों के बीच संवाद गायब है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आत्मनिरीक्षण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ₹संसदीय लोकतंत्र में सब कुछ ठीक नहीं है। हम व्यवधान का अपवित्रीकरण झेल रहे हैं। राजनीतिक दलों के बीच संवाद गायब है।

'हम दूसरे दृष्टिकोण के प्रति भी उदार नहीं हैं'

राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने कहा कि नारेबाजी करना और सदन के वेल में मार्च करना किसी भी पीठासीन अधिकारी के लिए दर्दनाक स्थिति है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने सभापति और स्पीकर को सुविधाजनक पंचिंग बैग बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि शिष्टाचार और अनुशासन लोकतंत्र का दिल है। पीठासीन अधिकारी का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम दूसरे दृष्टिकोण के प्रति भी उदार नहीं हैं।₹ उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियां अक्सर सौहार्दपूर्ण दृष्टिकोण के बजाय टकरावादी और विरोधात्मक दृष्टिकोण अपनाती हैं। उन्होंने कहा कि नैतिकता और सदाचार भारत में सार्वजनिक जीवन की पहचान रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि राज्य विधानसभाएं और संसद लोकतंत्र का उत्तरी ध्रुव हैं, जबकि विधायक और सांसद इसके प्रकाश स्तंभ हैं।

आजाद मैदान में कोविड कर्मियों का आंदोलन

मुंबई। गुरुवार को नगर निगम कर्मचारी एकता संघ की ओर से कोविड कर्मियों ने आजाद मैदान में धरना देकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इस आंदोलन का नेतृत्व यूनियन अध्यक्ष मनोज यादव, महासचिव जगनारायण गुप्ता, शैलेन्द्र कांबले, अशोक पवार ने किया।

घोषणा पत्र

1.रोशनी पंढरीनाथ जोगले पत्नी नं. 15182816पी हवलदार (क्लर्क स्टाफ ड्यूटी) जोगले पंढरीनाथ बाबन की जो गांव - तम्हाणे, डाकघर - तम्हाणे, तहसील - महाड, जिला - रायगढ़, राज्य - महाराष्ट्र, पिन - 402307 की निवासी हैं, शपथ पत्र द्वारा घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम जोगले रोशनी पंढरीनाथ से बदलकर रोशनी पंढरीनाथ जोगले कर लिया है, अब मैं अपने सभी दस्तावेजों के साथ-साथ सेवा अभिलेखों में भी रोशनी पंढरीनाथ जोगले के नाम से जानी जाऊंगी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मनोहर वामन देसाई मुंबई, जनरल, अस्पताल, मलाड(ई) मुंबई-400097

नं.एचओ/1648/एमडब्लू डीएच तारीख 11/07/2024

ई-निविदा सूचना

नीचे दिए गए कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा मुख्य चिकित्सा अधिकारी एम.डब्लू. देसाई अस्पताल द्वारा बीएमसी के आयुक्त की ओर से आमंत्रित की जाती है।

अनु. क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम	मात्रा
1.	2024_एमसीजीएम_1051282_1	एम.एन. देसाई अस्पताल में विनिर्देशों के अनुसार संक्रमण अपशिष्ट बिन का निर्माण।	01 जॉब.

बोली शुरू: 12/07/2024 को सुबह 10.00 बजे
बोली समाप्ति: 18/07/2024 को शाम 04.00 बजे
टेली.नं.02228770007 विस्ता.क्रः- 22

पूर्ण ई-निविदा दस्तावेज ई-निविदा पोर्टल http://portal.www.mcgm.gov.in पर उपलब्ध हैं। ई-निविदा दस्तावेजों के अनुसार ई-निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत की जानी चाहिए।

हस्ता./
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
एम.डब्लू. देसाई अस्पताल, मलाड(ई).

पीआरओ/490/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वी. एन.देसाई मुंबई, जनरल, अस्पताल, सांताक्रूज,(ई) मुंबई-400055

नं.एचओ/10652/वीएनडीएच तारीख 11/07/2024

ई-निविदा सूचना

नीचे दिए गए कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा चिकित्सा अधीक्षक वीएन देसाई अस्पताल द्वारा बीएमसी के आयुक्त की ओर से आमंत्रित की जाती है।

अनु. क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम	मात्रा
1.	2024_एमसीजीएम_1050928_1	वी.एन.देसाई अस्पताल में कॉरिडोर क्षेत्र और ऑडिटर रूम का निर्माण कार्य	01 जॉब.

बोली शुरू: 12/07/2024 को सुबह 10.00 बजे
बोली समाप्ति: 18/07/2024 को शाम 04.00 बजे
टेली.नं.26183018

पूर्ण ई-निविदा दस्तावेज ई-निविदा पोर्टल http://portal.www.mcgm.gov.in पर उपलब्ध हैं। ई-निविदा दस्तावेजों के अनुसार ई-निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत की जानी चाहिए।

हस्ता./
चिकित्सा अधीक्षक
वी.एन. देसाई मुंबई, जनरल, अस्पताल

पीआरओ/486/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामला

कोर्ट ने आरोपी चालक को 14 दिन के लिए जेल भेजा

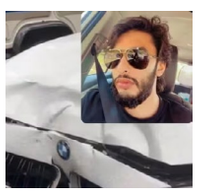

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामले में आरोपी शिवसेना नेता राजेश शाह के परिवार के चालक को बृहस्पतिवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। रविवार को दुर्घटना के समय चालक राजर्षि बिदावत, राजेश शाह के बेटे और मामले के मुख्य आरोपी मिहिर शाह के साथ कार में बैठा था। मुंबई के वर्ली इलाके में जब बीएमडब्ल्यू कार ने एक स्कूटर को टक्कर मारी तब मिहिर शाह (24) कथित तौर पर गाड़ी चला रहा था। इस दुर्घटना में स्कूटर पर पीछे बैठी एक महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहायक आयुक्त, 'सी' विभाग का कार्यालय,
76, श्रीकांत पालेकर मार्ग, चंदनवाडी, मरीन लाईन्स, मुंबई - 400002.

स्वारस्य अभिव्यक्ती/ निविदा

सहायक आयुक्त 'सी' विभाग मेनिंग मॉपिंग (रास्ते साफ सफाई) योजना के अंतर्गत काम करने के लिए इच्छुक स्थानिक संस्थाओं से उनकी योग्यता सूची तैयार कर काम करने के लिए आवेदन मंगाया जा रहा है।

इच्छुक स्थानिक संस्थाओं को इस योजना की सभी जानकारी, निविदा आवेदन व इच्छापत्र के नमूने के लिए रु.3900(रु.3300+18% जीएसटी) राशि नागरिक सुविधा केंद्र में भरने के बाद विभागीय सहायक आयुक्त 'सी' विभाग कार्यालय सहायक अभियंता (घकव्य) 'सी' दिनांक 11/07/2024 से दिनांक 16/07/2024 के दिन सुबह 11.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक दिया जायेगा।

संस्था को 'सी' विभाग कार्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम दिनांक 16/07/2024 (दोपहर 01.00 बजे तक)।

हस्ता/
सहायक आयुक्त 'सी' विभाग

पीआरओ/456/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

दो बजे दोपहर

संपादकीय

कोर्ट की सार्थक पहल

यह विडंबना ही है कि कुदरती वजह या किसी हादसे के चलते शारीरिक अपूर्णता के शिकार लोगों के प्रति भारतीय समाज में कमोबेश सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता रहा है। हालांकि, अब स्थितियों में बदलाव आया है। अब उन्हें एक सम्मानजनक नाम दिव्यांग देने का प्रयास किया गया है। लेकिन परंपरागत समाज में उनके उपहास व उपेक्षा का भाव अब भी किसी न किसी रूप में सामने आ जाता है। यही वजह है कि इस दिशा में देश की शीर्ष अदालत को सार्थक पहल करनी पड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने, फिल्मों व मीडिया के अन्य दृश्य माध्यमों में दिव्यांगों को कैसे चित्रित किया जाना है, उसके नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की स्वागत योग्य पहल की है। इस रचनात्मक पहल का मकसद दिव्यांगों के प्रति रूढ़िवादी सोच को दूर करना है। इस ऐतिहासिक फैसले में इस बात को रेखांकित किया गया है कि शारीरिक अपूर्णता वाले लोगों को अपमानित करने तथा हाशिये पर ले जाने वाली भाषा पर पूरी तरह रोक लगनी चाहिए। दरअसल, ऐसी सोच दिव्यांगों की सामाजिक सक्रियता की कोशिशों में बाधा उत्पन्न करती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने दिव्यांगों के लिये प्रामाणिक और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व वाली दृश्य-श्रव्य रीति-नीति का निर्देश दिया है। उन्होंने उस रूढ़िवादी सोच के खात्मे पर बल दिया जो उनमें हीनता का भाव भरती हो। उनका कहना था कि लोगों ने अपने मनोरंजन के लिये शारीरिक रूप से अपूर्ण लोगों पर तमाम चुटकुले बनाए हैं। दरअसल, नियामक व्यवस्था में दिव्यांगों की भागीदारी न होने के कारण ऐसी सोच का समय रहते प्रतिकार नहीं हो सका है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश का संदेश साफ था कि दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील व्यवहार उन्हें समझने में मदद करता है,लेकिन यदि शारीरिक अपूर्णता को हास्य का विषय बनाया जाता है तो इससे उनका मनोबल प्रभावित होता है। निश्चित रूप से देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश ने एक ज्वलंत विषय की ओर पूरे राष्ट्र का ध्यान खींचा है। यह प्रशंसनीय है कि शारीरिक अपूर्णता के चलते तमाम तरह के कष्ट झेल रहे दिव्यांगों के प्रति समाज के संवेदनशील व्यवहार की ओर शीर्ष अदालत ने ध्यान दिलाया है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने उचित ही निष्कर्ष निकाला है कि रचनात्मक स्वतंत्रता के ये मायने कदापि नहीं होते कि पहले से हाशिये पर मौजूद लोगों का उपहास किया जाए, उन्हें रूढ़िवादी सोच का शिकार बनाया जाए, उनको लेकर गलत बयानबाजी की जाए। कुल मिलाकर उनको अपमानित करने की आजादी किसी को नहीं दी जा सकती। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शारीरिक अपूर्णता वाले दिव्यांगों को अपंग व ऐसे अन्य अपमानजक शब्दों से आहत करने की इजाजत किसी को नहीं दी सकती है। दरअसल, उनको लेकर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी सोच को बदलने की जरूरत है। अब फिल्म निर्माताओं का भी दायित्व है कि फिल्मों का निर्माण करते वक्त ऐसे हास्यबोध वाले चित्रण से गंभीरता के साथ परहेज किया जाए। कैमरे के जरिये उनका ऐसा चित्रण होना चाहिए जिससे समाज में उनके प्रति संवेदनशील, समावेशी सोच और यथार्थवादी रवैया अपनाया जाए। शीर्ष अदालत के दिशा-निर्देशों में संविधान द्वारा प्रदत्त, भेदभाव-मुक्त व गरिमा को प्रतिष्ठित करने वाले प्रावधानों के अनुरूप दिव्यांगों की छवि बनाने पर बल दिया गया। जो कि दिव्यांगों के अधिकारों के लिये बने वर्ष 2016 के अधिनियमों के अनुरूप ही है। दरअसल, कानून सदा से समाज में दिव्यांगों के अधिकार व सम्मान-रक्षा को संबल देना चाहता रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि दिव्यांगों का समाज में अपना उचित स्थान प्राप्त करने का संघर्ष लगातार बना हुआ है। उनके लिये आज भी समाज में रोजगार के पर्याप्त अवसरों का उपलब्ध न होना, पदोन्नति, प्रशिक्षण तक पर्याप्त पहुंच न होने, व्यावसायिक अलगाव, सार्वजनिक स्थलों व आफिसों में दिव्यांगों के लिये शौचालयों का न होना तथा कार्यालयों में व्यवस्था उनकी सुविधा के अनुरूप न होना वक्त की नग्न हकीकत है। निश्चित रूप से उन्हें एक सक्षम वातावरण प्रदान करके ही हम दिव्यांगों का सशक्तीकरण कर सकते हैं। फिल्म व अन्य दृश्य माध्यमों में उन्हें सकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करना, उनके मनोबल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है।

शख्सियत | हेनरी डेविड थॉरो

गांधी की सविनय अवज्ञा के प्रेरणास्त्रोत

1817 को जन्मे थॉरो उन्नीसवी सदी में अमेरिका ही नहीं बल्कि विश्व के बड़े विचारकों में गिने गए हैं। उनका विश्वास सोचने की स्वतंत्रता व औद्योगिक क्रांति की आपाधापी से दूर प्रकृति के निकट जीवन जीने में था। लेकिन सबसे ज्यादा जाने गए उनके कामों में 1849 में छपा उनका लेख "Resistance to Civil Government" या "On the Duty of Civil Disobedience" था। कालांतर में इस लेख को इसके लघु रूप "Civil Disobedience" के नाम से जाना गया। इस लेख में थॉरो ने बड़ी शिद्दत से तर्क दिया है कि क्यों जनता को सरकार द्वारा अपने नाम पर अत्याचार करने की इजाजत उसे कतई नहीं देनी चाहिए और एक कमजोर देश पर हमले व दास प्रथा को बढ़ावा देने जैसे कदमों का पुरज़ोर विरोध करना चाहिए। यही वह लेख है जिसने मोहनदास करमचंद गाँधी को प्रभावित किया व इसमें सुझाए गए विचार व तरीके दक्षिण अफ्रीका व भारत में साम्राज्यवाद और नस्लवाद के खिलाफ़ लड़ाई में एक व्यापक औज़ार बने।

मजेदार बात यह है कि अंग्रेजी के 'Civil' शब्द का जो अर्थ थॉरो ने सुझाया था वह नागरिकों द्वारा सरकार पर आँख मूँद भरोसा न करने से संबंधित था वहीं गाँधी के प्रयोग के बाद इसका हिन्दी अर्थ 'सविनय अवज्ञा' हुआ। अतः हम कह सकते हैं कि गाँधी ने थॉरो के सिद्धांत को महज ज्यों का त्यों अंगीकार न करके उसमें खुद की समझ भी जोड़ी। थॉरो ने लेख के जरिए न सिर्फ़ दास प्रथा पर प्रहार किया बल्कि उन लोगों की समझ पर सवाल खड़ा किया जो इस घृणित प्रथा की सच्चाई जानते-समझते भी खामोश बैठे थे। अमेरिका के दक्षिणी राज्य तो गुलामों के खून-पसीने के बर्बर शोषण द्वारा ही समृद्ध हुए थे, किन्तु उत्तरी राज्य जहाँ गुलामी को हेय समझा जाता था, खुली आँख इस ज़ुल्म का बस तमाशा देख रहे थे। उधर मेक्सिको युद्ध और वहाँ गुलामी को बढ़ावा देने पर भी चुप्पीयां सधी हुईं थीं। गांधी हेनरी डेविड थॉरो के इस लेख व अन्य रचनाओं एवं विचारों से प्रभावित थे।

1907 में दक्षिण अफ्रीका के ट्रांसवाल में चल रहे सत्याग्रह के दौरान उन्होंने 'इंडियन अपिन्यन' में कहा था कि थॉरो अमेरिका के सबसे महावतपूर्ण विचारक रहे हैं जो सीख देने से पहले खुद पालन करने के पक्षधर रहे हैं। थॉरो के लेख ने गांधी के अलावा मार्टिन लूथर किंग व अन्य महान वैश्विक हस्तियों पर भी छाप छोड़ी थी। हमें ध्यान रखना चाहिए कि जो बातें आज आम लगती हैं, उन्हें 1840 के अमेरिका में कहने के लिए अदम्य साहस की जरूरत थी जो उन्होंने दिखाया। इसी अदम्य सहस की आवश्यकता गाँधी को भी थी चूँकि उस समय ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जडें इतनी गहरीं थीं कि कई भारतीय भी यह मानने को तैयार नहीं थे कि ब्रिटिश राज अत्याचार और अन्याय का परिचायक है।

शिक्षा-रोजगार से वंचित अफगानी महिलाएं

इस समय अफ़ग़ान सिविल सेवा में जो बची-खुची महिलाएं हैं, उनकी मासिक सेलरी का अंदाज़ा लगा सकते हैं आप? केवल पांच हज़ार रुपये। भारतीय मुद्रा में कन्वर्ट कीजिये, तो यह केवल पांच हज़ार 883 रुपये बनेगा। इतने में उस महिला सिविल सेवा कर्मी को अपना घर-परिवार चलाना है। आप काम पर आइये, या घर बैठिये, मिलेगा बस पांच हज़ार। भारत में कामवाली बाई भी इससे कहीं ज्यादा कमा लेती है। अफ़ग़ानिस्तान में औरतों का जो हाल इस्लामिक अमीरात ने किया है, उस पर इसी मंगलवार को चिंताजनक रिपोर्ट आई है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त, 2021 में 'सदाचार का प्रचार और बुराई की रोकथाम के लिए मंत्रालय' (एमपीवीपीवी) की स्थापना के बाद से तालिबान ने 'डर का माहौल' पैदा किया है। इस रिपोर्ट में 'मोरल पुलिस' के तौर-तरीकों पर भी सवाल किया गया है। आप वेस्टर्न हेयर स्टाइल नहीं रख सकते। 'एमपीवीपीवी' ने एक रूढ़िवादी ड्रेस कोड भी लागू किया है, जो इस्लामी पोशाक को 'एक दैवीय दायित्व' के रूप में संदर्भित करते हैं। तालिबान सरकार ने महिलाओं के लिए पुरुष एस्कॉर्ट अनिवार्य करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, कि वे 'उनके सम्मान और शुद्धता की रक्षा के लिए' हैं।

संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की रिपोर्ट 15 अगस्त, 2021 से 31 मार्च, 2024 तक अमीरात में मानवाधिकार की स्थिति और मंत्रालय की कारगुजारियों पर केंद्रित है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार देर रात कहा कि यूएनएएमए रिपोर्ट, अफगानिस्तान को पश्चिमी नज़रिये से आंकने की कोशिश कर रही है, जबकि यह एक इस्लामी समाज है। पुरुषों और महिलाओं के साथ शरिया कानून के अनुसार व्यवहार किया जाता है, यहां कोई उत्पीड़न नहीं होता है।''यूएनएएमए' ने 15 अगस्त, 2021 से 31 मार्च, 2024 के बीच 1033 लोगों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें 828 महिलाएं व 205 पुरुष शामिल थे। इनका ज़ोर-ज़बरदस्ती का दस्तावेजीकरण किया, जहां अमीरात की मोरल पुलिस और एमपीवीपीवी ने निर्देशों के कार्यान्वयन के दौरान बल प्रयोग किया। अफ़सोस, अफ़ग़ानिस्तान का जो अकादमिक क्लास है, वो भय से अमीरात के पक्ष में भी बयान देता है। इनमें काबुल विश्वविद्यालय के व्याख्याता मोहम्मद ऐमल दोस्तयार का बयान उल्लेखनीय है। दोस्तयार कहते हैं 'दुर्भाग्य से, यूएनएएमए की हालिया रिपोर्ट वास्तविकताओं पर आधारित नहीं हैं; सदाचार मंत्रालय इन निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करता है।' सदाचार मंत्रालय के डिप्टी मोहम्मद फकीर मोहम्मदी ने कहा, कि हमने तो बल्कि 4,600 महिलाओं को विरासत प्रदान की है। इस्लामिक अमीरात महिलाओं के अधिकारों के लिए

पुष्परंजन

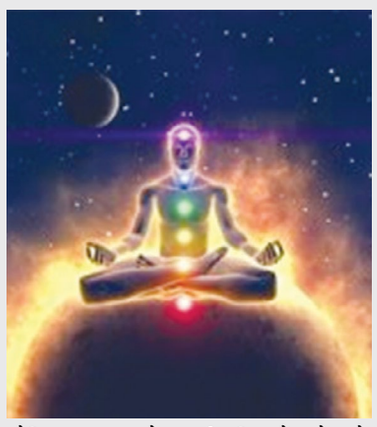

प्रतिबद्ध है। लेकिन सारे लोग अमीरात के सितम के आगे सिजदा नहीं करते। धार्मिक विद्वान खलील-उर-रहमान सईद ने बयान दिया, 'दुर्भाग्य से, हमारे देश में महिलाएं अपने बुनियादी और मानवीय अधिकारों से वंचित हैं, जिसमें विरासत, शिक्षा, काम और जीवन साथी चुनने का हक़ भी शामिल है।' एक अन्य धार्मिक विद्वान हसीबुल्लाह हनफ़ी ने महिलाओं को विरासत, शिक्षा, शादी के अधिकार से इनकार, जबरन विवाह और महिलाओं और लड़कियों को शादी में मुआवजे के रूप में देने की प्रथा के बारे में चिंता व्यक्त की है। तालिबान ने इस समय इतनी गुंजाइश दी है कि जो लड़कियां छठी कक्षा पास करने के बाद स्कूल नहीं जा सकतीं, वो घर बैठे सिलाई-कढ़ाई और कालीन बुनाई, पैकेजिंग करें। उसके लिए कार्यशालाएं खोली गई हैं। अर्थ मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल रहमान हबीब कहते हैं, 'अब संबंधित मंत्रालयों ने आर्थिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं। न केवल काबुल बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों में भी, छात्राओं ने सिलाई, पेंटिंग, कालीन बुनाई और कढ़ाई जैसे व्यवसायों को सीखने की ओर रुख किया है, ताकि अपने परिवार को सपोर्ट कर सकें।' लेकिन, मुल्क की महिलाएं ऐसे हालात को कुबूल करने के पक्ष में नहीं दिखतीं। इसी हफ्ते अदबी लेखिकाओं ने काबुल में एक कविता गोष्ठी आयोजित की, और इस्लामिक अमीरात से छठी कक्षा से ऊपर की लड़कियों के स्कूलों को फिर से खोलने का आग्रह किया। विभिन्न प्रांतों से राजधानी में एकत्र हुईं इन कवयित्रियों और लेखिकाओं ने कहा कि लड़कियों को स्कूल जाने से रोकना इस्लामी कानून और मानवाधिकार मानदंडों का उल्लंघन है। एक प्रस्ताव में उन्होंने कहा कि लड़कियों के स्कूलों को बंद करने का कोई धार्मिक औचित्य नहीं है। कार्यक्रम के आयोजकों में से एक, ओगी ने सवाल किया, 'हमारा पाप क्या यही है कि हम पुरुष नहीं हैं?'

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने जापान के विशेष प्रतिनिधि कानसुके नागाओका के साथ बैठक में अफगानिस्तान और क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। करजई ने ट्वीट के ज़रिये आशा व्यक्त की कि लड़कियों के लिए 'शिक्षा के द्वार' तुरंत खोले जाएंगे। क़तर, जो इस समय अमीरात का सबसे भरोसेमंद साथी है, वह अफगानिस्तान के सर्वोच्च नेता को महिलाओं को शिक्षा वाले सवाल पर कितना समझा पाता है, इसका इंतज़ार सभी को है। मगर, इस सवाल पर मुस्लिम वर्ल्ड दोहरा रवैया दरपेश कर रहा है। आप भारतीय मुस्लिम समाज को ही देख लीजिये, अफ़ग़ानिस्तान में महिलाओं को शिक्षा और रोज़गार मिले, इस सवाल पर सन्नाटा पसरा मिलेगा। शायद ही किसी मुस्लिम संगठन, या धर्मगुरु का बयान आप देखेंगे!

सहज योग

भगवान के लिए समय कालातीत है

आपके अचेतन मन में, उस महान सागर में आप उतर गय हैं, बात तो सही है, लेकिन इसकी गहराई में अगर उतरना है, तो आप को ध्यान करना पड़ेगा। मैं बहुत से लोगों से ऐसा भी सुनती हूं कि "माता जी, ध्यान के लिए हमको **time** (समय) नहीं मिलता है।"

मैं आपको सभी सच के बारे में बता रही हूं। अब तक मनुष्य ने अपना ध्यान इस ओर लगाने के लिए भारी कठिनाइयां पैदा की हैं। मनोवैज्ञानिकों, जीवविज्ञानियों और बड़े वैज्ञानिकों को ही लीजिए। उनमें से बहुतों को और यहां तक कि आत्मसाक्षात्कारी आत्माओं को भी कुछ हद तक यह प्राप्त हुआ, लेकिन वे देने में सक्षम नहीं थे। कारण है समय। भगवान के लिए समय कालातीत है। हम ही वो हैं जो सोचते हैं कि कुछ पीछे रह गये और कुछ आगे बढ़ गए। जो मर गए, वे महान हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि कौन मरा है? कोई नहीं मरता। जो लोग मरते हैं वे सभी दूसरी दुनिया में बैठते हैं और फिर यहां वापस आते हैं, और फिर दूसरी दुनिया में जाते हैं और फिर वापस आते हैं। कुछ लोग जानवरों से इंसान बन जाते हैं,

लेकिन ज्यादातर लोग दूसरी दुनिया में चले जाते हैं और फिर वापस इस दुनिया में आ जाते हैं। यह तो केवल आना-जाना है। कोई नहीं मरता।

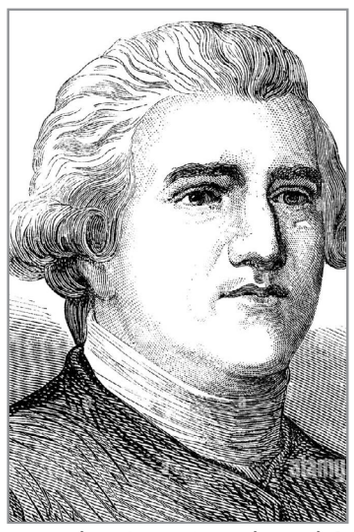

तो ऐसा हो सकता है कि आपमें से कुछ लोग जो यहां बैठे हैं, वे भी कई जन्मों से आपकी खोज के कारण हों और आपको वह मिल सके। अगर मिल सकता है, तो उसके बारे में इतनी चर्चा क्यों होनी चाहिए। यह बहुत सामान्य बात है और मुझे यह सचमुच अजीब लगता है। यह वाकई अजीब है कि लोग हर बात को मुद्दा बना देते हैं। एक मां आपको खाने के लिए खाना दे रही है लेकिन उस पर बहस करने से यह कैसे होगा? यह कोई तर्क नहीं है। यह सच है। यह सच है। यह बहुत बड़ी खोज है। जो यहां बैठे हैं, जो आत्मसाक्षात्कारी हैं, वे इसे समझते हैं। धर्म की खोज में ही मनुष्य परलोक तक पहुंच सका है। अभी तक वह परमात्मा तक नहीं पहुंच पाया है। और जो लोग शाश्वत तक पहुंच गए, वे परमात्मा को नीचे लाने में असमर्थ हो गए। यह दूसरों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि जैसे आपके कई पुनर्जन्म हुए हैं, वैसे ही मेरे भी कई जन्म हुए हैं। और मेरा भी इन सभी महान साधकों से बहुत घनिष्ठ संबंध रहा है। और ये मेरे और मेरे बहुत करीब हैं। शायद वे आपके इतने करीब नहीं हैं।

वे सभी जो बड़े-बड़े झंडे लेकर चलते हैं कि हम मुसलमान हैं या हिंदू हैं या यह या वह हैं, केवल एक झूठा प्रमाणपत्र लेकर चलते हैं और उन्हें इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि उनके पिछले जन्मों में जो हिंदू था वह मुसलमान था और जो मुसलमान था वह ईसाई रहा हो। अब अगर यह जन्म और पुनर्जन्म का सवाल है, आनंद का सवाल है, तो उस स्तर पर सोचना चाहिए। वह स्तर ऐसा है कि जो कुछ शाश्वत है वहीं है।

प्रस्तुति: धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा | जोशिया वेजवुड : जन्म: 12 जुलाई 1730 | जन्म

जोशिया वेजवुड एकअंग्रेज कुम्हार और उद्यमी थे, जिन्होंने वेजवुड कंपनी की स्थापना की थी।मिट्टी के बर्तनों में अपने नवाचारों के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले,किफायती सिरेमिक के साथउद्योग में क्रांति ला दी। वेजवुड ने आधुनिक विपणन तकनीकों का भी बीड़ा उठाया औरउन्मूलनवादी आंदोलन में योगदान दिया। उनका जन्म 12 जुलाई 1730 को हुआ था और उनकी मृत्यु 3जनवरी, 1795 को हुई थी।

हर चीज प्रयोग का मार्ग प्रशस्त करती है

हर चीज़ प्रयोग का मार्ग प्रशस्त करती है। निर्माता का काम अंकगणितज्ञ होना नहीं, बल्कि दार्शनिक होना है। मैं अपनी सफलता का श्रेय सबसे अच्छी सलाह कोसम्मानपूर्वक सुनने और फिर उसके ठीक विपरीत काम करने को देता हूं। अपनी कमज़ोरियोंका गुलाम बनना सबसे बुरी गुलामी है। असली ख़तरा यह नहीं है कि कंप्यूटर मनुष्य की तरह सोचनाशुरू कर देंगे, बल्कि यह है किमनुष्य कंप्यूटर की तरह सोचना शुरू कर देंगे। हमें भूसे के बिना ईंटनहीं बनानी चाहिए। सबसे शुद्ध आनंद जो मौजूद है, वह है मूल्यवान चीज़ बनाने का आनंद। कला की पूर्णता कला कोछिपाना है। मैं ज्ञान कीकिसी अन्य प्रजाति के बारे में नहीं जानता, जिसमें चीनी मिट्टी के बरतन बनाने की कला से संबंधित उपयोगीउपदेशों की

तुलना में अधिक संख्या में उपयोगी उपदेश पाए जाते हैं। हम कार्यकर्ताहैं, मैकेनिक नहीं। हमनिर्माता हैं, निर्माता नहीं। कला और वाणिज्यदुश्मन नहीं हैं। वाणिज्य और कला की कोई सीमा रेखा नहीं होती। एक दूसरे मेंविलीन हो जाता है और दूसरा एक में। हमें व्यावहारिक होना चाहिए और फिर भी हमें उस चीज़ कीउपेक्षा नहीं करनी चाहिए जो सबसे बुनियादी है।

व्यवसाय में, ईमानदारी की प्रतिष्ठा सबसे मूल्यवान है। गलती स्वीकार नकर पाने से ज़्यादा प्रगति में कोई बाधा नहीं है। व्यवसाय की सफलता के लिएव्यवस्था और अर्थव्यवस्था का प्यार बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा उद्देश्य कुछ सुंदरबनाना है, न कि केवल फैशन को पूरा करना। सभ्यता की असलीपरीक्षा जनगणना नहीं है, न ही शहरों काआकार, न ही फसलें, बल्कि देश में किस तरह के लोग पैदा होते हैं। उद्योग व्यवसायकी आत्मा और समृद्धि की आधारशिला है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

लौटना कभी आसान नहीं होता

एक व्यक्ति राजा के पास गया- और कहा कि वो बहुत निर्धन है, उसके पास कुछ भी नहीं,उसे सहायता चाहिये...! राजा दयावान था,उसने पूछा कि क्या सहायता चाहिये....? उस व्यक्ति ने कहाः थोड़ी सी भूमि- ताकि मैं खेती बाड़ी करके- अपना परिवार पाल सकूं। राजा ने कहा,कल सुबह के वक्त तुम यहां आना, भूमि पर तुम दौड़ना- जितनी दूर तक दौड़ पाओगे- वो पूरी भूमि तुम्हारी, किन्तु ध्यान रहे, जहां से तुम दौड़ना शुरू करोगे, सूरज डूबने तक तुम्हें वहीं लौटकर आना होगा- अन्यथा कुछ नहीं मिलेगा। व्यक्ति प्रसन्न हो गया,सुबह हुई,सूरज उदय होने के साथ व्यक्ति दौड़ने लगा व्यक्ति दौड़ता रहा, दौड़ता रहा. सूरज सिर पर चढ़ आया था- पर उस व्यक्ति का दौड़ना नहीं रुका था, वो हांफ रहा था पर रुका नहीं था! थोड़ा और.....! एक बार की मेहनत है- फिर पूरे जीवन आनंद ही आनंद है। शाम होने लगी थी, व्यक्ति को याद आया,लौटना भी है, अन्यथा कुछ नहीं मिलेगा। उसने देखा,वो बहुत दूर चला

आया था- अब उसे लौटना था- पर कैसे लौटता....? सूरज पश्चिम की ओर मुड़ चुका था, उस व्यक्ति ने पूरा दम लगाया। वो लौट सकता था- पर समय तेजी से बीत रहा था, थोड़ी ताकत और लगानी होगी. वो पूरी गति से दौड़ने लगा- पर अब दौड़ा नहीं जा रहा था,वो थक कर गिर गया और उसके प्राण वहीं निकल गये।

राजा यह सब देख रहा था, अपने अर्दलियों के साथ वो वहां गया, जहां व्यक्ति भूमि पर गिरा था!

राजा ने उसे गौर से देखा- फिर केवल इतना ही कहाः इसे सिर्फ दो गज़ भूमि की दरकार थी,व्यर्थ ही ये इतना दौड़ रहा था! व्यक्ति को लौटना था, पर लौट नहीं पाया! वो लौट गया वहां, जहां से कोई लौट कर नहीं आता!

अब ज़रा उस व्यक्ति के स्थान पर हम अपने आपको रख कर स्वयं से सवाल करे, कहीं हम भी तो वही भारी भूल नहीं कर रहे - जो उसने की! हमें अपनी चाहतों की सीमा का पता नहीं होता। हमारी ज़रूरतें तो थोड़ी होती हैं, पर इच्छाएं बहुत अधिक अपनी इच्छाओं की पूर्ति में हम लौटने की तैयारी ही नहीं करते- जब करते हैं तो बहुत देर हो चुकी होती है!_ फिर हमारे पास कुछ भी नहीं बचता अतः आज अपनी डायरी पेन उठायें, कुछ सवाल एवं उनके उत्तर अवश्य लिखें: मैं जीवन की दौड़ में शामिल हुआ था, आज तक कहाँ पहुँचा और अंत मे मुझे जाना कहाँ है कब तक पहुँचना है

इसी तरह दौड़ता रहा तो कहाँ- और कब तक पहुंच पाऊँगा...? हम सभी दौड़ रहे हैं,बिना यह समझे कि- सूरज समय पर लौट जाता है, हम लौटना नहीं जानते..! सच यह है कि जो- लौटना जानते हैं,वही जीना भी जानते हैं- पर लौटना इतना भी सरल नहीं होता !

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

जल्दबाजी में निर्णय

एक राजा नगर भ्रमण करने के लिए राज दरबार से निकलता है। शाम को जब वह भ्रमण कर राज दरबार में आता है तो उनके पैरों में छाले पड़ जाते हैं। वह तुरंत अपने प्रजा को आदेश देता है कि पूरे गांव के सड़क को मखमल से ढक दिया जाए। प्रजा आश्चर्यचकित हो जाती है और सोचते है कि भला इतने बड़े गांव को मखमल से ढकने के लिए कितने सारे पैसे लगेंगे इतने पैसे हम राजा से कैसे मांगे? प्रजा मुखिया को यह सब बातें बताते हैं कि समस्या का हमें हल बताइए? राजा ने आदेश तो दे दिया है पर हम राजा से पैसे कैसे मांगे? प्रजा का मुखिया राजा को पूछता है कि यह निर्णय आप किस कारण से ले रहे हैं आप मुझे बताइए ? राजा कहता है कि मैं जब नगर भ्रमण के लिए निकला था तो सड़क पर काफी सारे छोटे छोटे कंकर से मेरे पैरों में छाले आ गए। मैं नहीं चाहता कि हमारे नगर में कोई भी व्यक्ति को यह परेशानी हो जिस परेशानी से में जूझ रहा हूं। मुखिया जवाब देते हुए कहते हैं इतनी छोटी सी बात के लिए आप करोड़ों का निवेश करोगे। इससे अच्छा रहेगा की हम मखमल के जूते बना देते हैं। और पूरे नगर को मखमल के जूते वितरण कर देते। कम लागत में आपके समस्या का हल हो जाएगा। राजा ने इस बात पर सोच विचार किया और अंत में मुखिया के बातों को अमल में लाया। राजा ने पूरे प्रजा को सिर्फ जूते बनवाने का आदेश दिया। जो व्यक्ति निर्णय लेने से पहले विचार करता है उस पर विश्लेषण करता है उसके निर्णय हमेशा सही होते हैं।

सुविचार

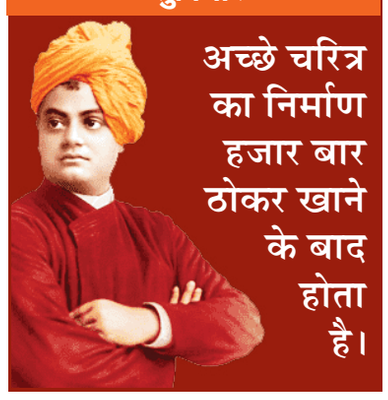

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कविता

साजन आए, सावन आया

हरिवंशराय बच्चन

अब दिन बदले, घड़ियाँ बदलीं,
साजन आए, सावन आया ।

धरती की जलती साँसों ने
मेरी साँसों में ताप भरा,
सरसी की छाती दरकी तो
कर घाव गई मुझपर गहरा,

है नियति-प्रकृति की ऋतुओं में
संबंध कहीं कुछ अनजाना,
अब दिन बदले, घड़ियाँ बदलीं,
साजन आए, सावन आया ।

तुफान उठा जब अंबर में
अंतर किसने झकझोर दिया,
मन के सौ बंद कपाटों को
क्षण भर के अंदर खोल दिया,

झोंका जब आया मधुवन में
प्रिय का संदेश लिए आया-
ऐसी निकली ही धूप नहीं
जो साथ नहीं लाई छाया ।
अब दिन बदले, घड़ियाँ बदलीं,
साजन आए, सावन आया ।

साजन आए, सावन आया ।
घन के आँगन से बिजली ने
जब नयनों से संकेत किया,
मेरी बे-होश-हवास पड़ी
आशा ने फिर से चेत किया,
मुरझाती लतिका पर कोई
जैसे पानी के छींटे दे,
ओ' फिर जीवन की साँसे ले
उसकी म्रियमाण-जली काया ।
अब दिन बदले, घड़ियाँ बदलीं,
साजन आए, सावन आया ।

रोमांच हुआ जब अवनी का
रोमांचित मेरे अंग हुए,
जैसे जादू की लकड़ी से
कोई दोनों को संग छुए,

सिंचित-सा कंठ पपीहे का
कोयल की बोली भीगी-सी,
रस-डूबा, स्वर में उतराया
यह गीत नया मैंने गाया ।
अब दिन बदले, घड़ियाँ बदलीं,
साजन आए, सावन आया ।

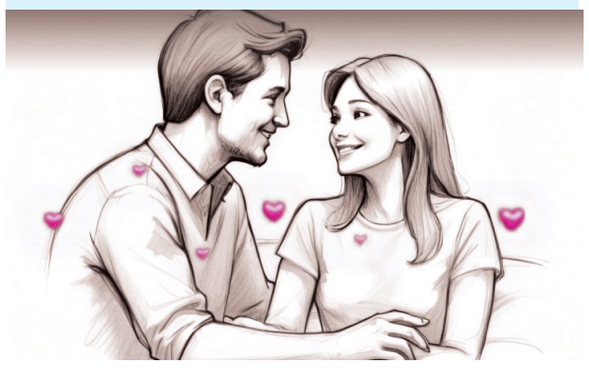

ग़ज़ल

रोने की सदा

फ़रहत एहसास

हर गली कूचे में रोने की सदा मेरी है
शहर में जो भी हुआ है वो ख़ता मेरी है

ये जो है ख़ाक का इक ढेर बदन है मेरा
वो जो उड़ती हुई फिरती है क़बा मेरी है

वो जो इक शोर सा बरपा है अमल है मेरा
ये जो तन्हाई बरसती है सज़ा मेरी है

मैं न चाहूँ तो न खिल पाए कहीं एक भी फूल
बाग़ तेरा है मगर बाद-ए-सबा मेरी है

एक टूटी हुई कश्ती सा बना बैठा हूँ
न ये मिट्टी न ये पानी न हवा मेरी है

उपेंद्रनाथ अश्क

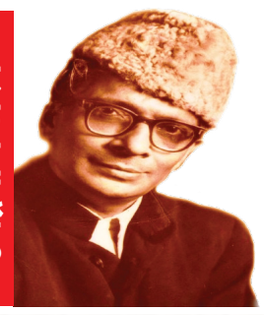

चारा काटने की मशीन

रेल की लाइनों के पार, इस्लामाबाद की नई आबादी के मुसलमान जब सामान का मोह छोड, जान का मोह लेकर भागने लगे तो हमारे पड़ोसी लहनासिंह की पत्नी चेती।

"तुम हाथ पर हाथ धरे नामर्दों की भाँति बैठे रहोगे," सरदारनी ने कहा, "और लोग एक से एक बढ़िया घर पर कब्जा कर लेंगे।"

सरदार लहनासिंह और चाहे जो सुन लें, परन्तु औरत जात के मुँह से 'नामर्द' सुनना उन्हें कभी गवारा न था। इसलिए उन्होंने अपनी ढीली पगड़ी को उतारकर फिर से जूड़े पर लपेटा; धरती पर लटकती हुई तहमद का किनारा कमर में खोंसा; कृपाण को म्यान से निकालकर उसकी धार का निरीक्षण करके उसे फिर म्यान में रखा और फिर इस्लामाबाद के किसी बढ़िया 'नए' मकान पर अधिकार जमाने के विचार से चल पड़े।

वे अहाते ही में थे कि सरदारनी ने दौड़कर एक बड़ा-सा ताला उनके हाथ में दे दिया। "मकान मिल गया तो उस पर अपना कब्जा कैसे जमाओगे?"

सरदार लहनासिंह ने एक हाथ में ताला लिया, दूसरा कृपाण पर रखा और लाइनें पार कर इस्लामाबाद की ओर बढ़े।

खालसा कालेज रोड, अमृतसर पर, पुतली घर के समीप ही हमारी कोठी थी। उसके बराबर एक खुला अहाता था। वहीं सरदार लहनासिंह चारा काटने की मशीनें बेचते थे। अहाते के कोने में दो-तीन अँधेरी-सीली कोठरियाँ थीं।

मकान की किल्लत के कारण सरदार साहब वहीं रहते थे। यद्यपि काम उन्होंने डेढ़-दो हजार रुपये से आरम्भ किया था, पर लड़ाई के दिनों में (किसानों के पास रुपये का बाहुल्य होने से) उनका काम खूब चमका। रुपया आया तो सामान भी आया और सुख-सुविधा की आकांक्षा भी जगी। यद्यपि प्रारम्भ में उस अहाते और उन कोठरियों को पाकर पति-पत्नी बड़े प्रसन्न हुए थे, परन्तु अब उनकी पत्नी, जो 'सरदारनी' कहलाने लगी थी, उन कोठरियों तथा उनकी सील और अँधेरे को अतीव उपेक्षा से देखने लगी थी। ग्राहकों को मशीनों की फुर्ती दिखाने के लिए दिन-भर उसमें चारा कटता रहता था। अहाते-भर में मशीनों की कतारें लगी थीं जो भावना-रहित हो अपने तीखे छूरों से चारे के पूले काटती रहती थीं। सरदारनी के कानों में उनकी कर्कश ध्वनि हथौड़ों की अनवरत चोटों-सी लगती थीं। जहाँ-तहाँ पड़े हुए चरी के पूले और चारे के ढेर अब उसकी आँखों को अखरने लगे। सरदार लहनासिंह तो यद्यपि उनकी पगड़ी और तहमद रेशमी हो गयी थी और उनके गले में लकीरदार गबरुन की कमींज का स्थान घुटनों तक लम्बी बोस्की की कमीज ने ले लिया थावही पुराने लहनासिंह थे। उन्हें न कोठरियों की तंगी अखरती थी, न तारीकी, न मशीनों की कर्कशता, न चारे के ढेरों की निरीहता, बल्कि वे तो इस सारे वातावरण में बड़े मस्त रहते थे। वे उन सरदारों में से हैं जिनके सम्बन्ध में एक सिख लेखक ने लिखा है कि जिधर से पलटकर देख लो, सिख दिखाई देंगे।

कुछ पतले-दुबले हों, यह बात नहीं। अच्छे-खासे हृष्ट-पुष्ट आदमी थे और उनकी मर्दुमी के परिणामस्वरूप पाँच बच्चे जोंकों की तरह सरदारनी से चिपटे रहते थे। परन्तु यह सरदारनी का ढंग था। उसे यदि सरदार लहनासिंह से कोई काम कराना होता, जिसमें कुछ बुद्धि की आवश्यकता हो तो वह उन्हें 'बुद्धू' कहकर उकसाती और यदि ऐसा काम कराना होता, जिसमें कुछ बहादुरी की जरूरत हो तो उन्हें नामर्द का ताना देती। उसका ढंग था तो खासा अशिष्ट पर रुपया आने और अच्छे कपड़े पहनने ही से तो अशिष्ट आदमी शिष्ट नहीं हो जाता। फिर सरदारनी को नए धन का भान चाहे हो, शिष्टता का भान कभी न था।

सरदार लहनासिंह इस्लामाबाद पहुँचे तो वहाँ मार-धाड़ मची हुई थी। उनकी चारा काटने की मशीनें जिस प्रकार भावना-रहित होकर चरी के निरीह पूले काटती थीं, कुछ उसी प्रकार उन दिनों एक धर्म के अनुयायी दूसरे धर्म के अनुयायियों को काट रहे थे। सरदार लहनासिंह ने अपनी चमचमाती हुई कृपाण निकाली कि यदि किसी मुसलमान से मुठभेड़ हो जाऐ तो तत्काल उसे अपनी मर्दुमी का प्रमाण दे दें। परन्तु इस ओर जीवित मुसलमान का निशान तक न था। हाँ, गलियों में रक्तपात के चिह्न अवश्य थे। और दूर लूट-मार की आवाजें भी आ रही थीं।

तभी, जब वे सतर्कता से बढ़े जा रहे थे, उनको अपने मित्र गुरदयाल सिंह मकान का ताला तोड़ते दिखाई दिये।

सरदार लहनासिंह ने रुककर प्रश्नसूचक दृष्टि से उनकी ओर देखा।

"मैं तो इस मकान पर कब्जा कर रहा हूँ।" सरदार गुरदयालसिंह ने एक उचटती हुई दृष्टि अपने मित्र पर डाली और निरन्तर अपने काम में लगे रहे।

तब सरदार लहनासिंह ने ढीली होती हुई पगड़ी का सिरा निकालकर पेच कसा और अपने मित्र के नए मकान की ओर देखा। उसे देखकर उन्हें अपने लिए मकान देखने की याद आयी और वे तत्काल बढ़े। दो-एक मकान छोड़कर उन्हें सरदार गुरदयालसिंह की अपेक्षा कहीं बड़ा और सुन्दर मकान दिखाई दिया, जिस पर ताला लगा था। आव देखा न ताव, उन्होंने गली में से एक बड़ी-सी ईंट उठायी और दो-चार चोटों ही में ताला तोड़ डाला।

वह मकान यद्यपि बहुत बड़ा न था, परन्तु उनकी उन कोठरियों की तुलना में तो स्वर्ग से कम न था, कदाचित् किसी शौकीन क्लर्क का मकान था, क्योंकि एक छोटा-सा रेडियो भी वहाँ था और ग्रामोफोन भी। गहने-कपड़े न थे और ट्रंक खुले पड़े थे। मकान वाला शायद मार-धाड़ से पहले शरणार्थी कैम्प या पाकिस्तान भाग गया था। जो सामान वह आसानी से साथ ले जा सकता था, ले गया था। फिर भी जरूरत का काफी सामान घर में पड़ा था। यह सब देखकर सरदार लहनासिंह ने उल्टी कलाई मुँह पर रखी और जोर से बकरा बुलाया। फिर तहमद की कोर को दोनों ओर से कमर में खोंसा और सामान का निरीक्षण करने लगे।

जितनी काम की चीजें थीं, वे सब चुनकर उन्होंने एक ओर रखीं, अनावश्यक उठाकर बाहर फेंकी, वही बड़ा ताला, जो वे घर से लाये थे, मकान में लगाया, गुरदयालसिंह को बुलाकर समझाया कि उनके मकान का खयाल रखें और स्वयं अपना सामान लाने चले कि मकान पूर्ण रूप से उनका हो जाऐ। जब वे अपने घर पहुँचे तो उन्हें खयाल आया कि सामान ले जाएँगे कैसे? इस भगदड़ में तांगा-इक्का कहाँ? तब अहाते से साइकिल लेकर वे अपने पुराने मित्र रामधन ग्वाले के यहाँ पहुँचे जिसकी बैलगाड़ी पर (ट्रकों पर लाने-ले आने से पहले) वे अपनी चारा काटने की मशीनें लादा करते थे। मिन्नत-समाजत कर, दोहरी मंजदूरी का लालच देने के बाद वे उसे ले आये।

जब सारा सामान गाड़ी में लद गया और वे चलने को तैयार हुए तो सरदारनी ने साथ चलने का अनुरोध किया। तब उन्होंने उस नेकबख्त को समझाया कि वहाँ के दूसरे सरदार अपनी सिंहनियों को बुला लेंगे तो वे भी ले जाएँगे। वे लाख सिंहनियाँ सहीसरदार लहनासिंह ने अपनी पत्नी को समझायापर हैं तो औरतें ही और दंगे-फिसाद में औरतों ही को अधिक सहना पड़ा है। फिर उन्होंने समझाया कि अहाते का भी तो खयाल रखना चाहिए। शरणार्थी धड़ाधड़ आ रहे हैं, कौन जाने यहाँ घर खुला देखकर जम जाए। सरदारनी मान गयी, परन्तु जब सरदार लहनासिंह चलने लगे तो उसने सुझाया कि वे सामान के साथ चारा काटने की एक मशीन ले जाकर अवश्य अपने नए घर में स्थापित कर दें, ताकि उनकी मिलकियत में किसी प्रकार का सन्देह न रहे और सभी को पता चल जाऐ कि यह मकान चारा काटने की मशीनों वाले सरदार लहनासिंह का है।

सरदारनी का यह प्रस्ताव सरदार जी को बहुत अच्छा लगा।

यद्यपि बैलगाड़ी में और स्थान न था, परन्तु सामान पर सबसे ऊपर चारा काटने की एक मशीन किसी-न-किसी प्रकार रखी गयी। गिर न जाऐ, इसलिए रस्सों से उसे कसकर बाँधा गया और सरदार लहनासिंह अपने नए घर पहुँचे। गली ही में उन्होंने देखा कि सरदार गुरदयालसिंह की सिंहनी और बच्चे तो नए मकान में पहुँच भी गये हैं। तब उन्हें लगा कि उनसे भारी गलती हो गयी है। उन्हें भी अपनी सिंहनी को तत्काल ले आना चाहिए। यदि पतला-दुबला गुरदयाल अपनी सिंहनी को ला सकता है तो वे क्यों नहीं ला सकते।

यह सोचना था कि सारे सामान को उसी प्रकार डयोढ़ी में रख वही बड़ा-सा ताला लगा, उन्होंने गुरदयालसिंह से कहा कि भाई जरा खयाल रखना, मैं भी अपनी सिंहनी को ले आऊँ, संगत हो जाएगी।

और उसी बैलगाड़ी पर सरदार लहनासिंह उल्टे पाँव लौटे। घर पहुँचकर उन्होंने अपनी सरदारनी को बच्चों के साथ तत्काल तैयार होने के लिए कहा।

परन्तु एक-डेढ़ घंटे के बाद जब अपने बीवी-बच्चों सहित सरदार लहनासिंह इस्लामाबाद पहुँचे तो उनके नए मकान का ताला टूटा पड़ा था। डयोढ़ी से उनका सारा सामान गायब था। केवल चारा काटने की मशीन अपने पहरे पर मुस्तैदी से जमी हुई थी। घबराकर उन्होंने गुरदयालसिंह को आवाज दी, परन्तु उनके मकान में कोई और सरदार विराजमान थे। उनसे पता चला कि गुरदयालसिंह दूसरी गली के एक और अच्छे मकान में चले गये हैं। तब सरदार लहनासिंह कृपाण निकालकर अपने मकान की ओर बढ़े कि देखें चोर और क्या-क्या ले गये हैं।

डयोढ़ी में उनके प्रवेश करते ही दो लम्बे-तड़ंगे सिखों ने उनका रास्ता रोक लिया, बैलगाड़ी पर सवार उनके बीवी-बच्चों की ओर संकेत करते हुए उन्होंने कहा कि यह मकान शरणार्थियों के लिए नहीं। इसमें थानेदार बलवन्तसिंह रहते हैं। थानेदार का नाम सुनकर लहनासिंह की कृपाण म्यान में चली गयी और पगड़ी कुछ और ढीली हो गयी।

"हुजूर, इस मकान पर तो मेरा ताला पड़ा था। मेरा सारा सामान...।"

"चलो-चलो बाहर निकलो। अदालत में जाकर दावा करो। दूसरे के सामान को अपना बताते हो।"

और उन्होंने सरदार लहनासिंह को डयोढ़ी से ढकेल दिया। तभी लहनासिंह की दृष्टि चारा काटने की मशीन पर गयी और उन्होंने कहा :

"देखिए, यह मेरी चारा काटने की मशीन है, किसी से पूछ लीजिए, मुझे यहाँ सभी जानते हैं।"

परन्तु शोर सुनकर अपने 'नए' मकानों से जो सरदार या लाला बाहर निकले उनमें एक भी परिचित आकृति लहनासिंह को न दिखाई दी।

"यों क्यों नहीं कहते कि चारा काटने की मशीन चाहिए," उन्हें धकेलने वाले एक सिख ने कहा और वह अपने साथी से बोला, "सुट्ट ओ करतारसिंहा, मशीन नूं बाहर। गरीब शरणार्थी हण। असां इह मशीन साली की करनी ए।"

और दोनों ने मशीन बाहर फेंक दी।

दो-ढाई घंटे के असफल वाबेले के बाद जब सरदार लहनासिंह, रात आ गयी जानकर, वापस अपने अहाते को चले तो उनके बीवी-बच्चे पैदल जा रहे थे और बैलगाड़ी पर केवल चारा काटने की मशीन लदी हुई थी।

लघुकथा

कारीगर

'का की, एक हफ्ते में यह आर्डर पूरा हो जाना चाहिए। न हो तो गाँव से और कारीगर ले आओ। इतना बड़ा आर्डर रोज- रोज नहीं मिलता। पिछले बार जगन सेठ ने हमारा काम देखा था, तभी तो हमें यह काम सौंपा। कला और आदमी के पारखी है। एक बार बाजार में साख बन गई, तो अगले साल होने वाले विश्व मेले में जाने का रास्ता साफ हो जाएगा।" टीकाराम भावनाओं के अतिरेक में बहे जा रहे थे।

"भैया, अपनी तरफ से तो पूरी कोशिश डाल रहे हैं; पर इस बार आढ़ती बाजार के नुक्कड़ वाला छगन सेठ, थान देने में बहुत हील- हुज्जत कर रहा था। बड़ी मुश्किल से दस बारह थान खींच पाई।" पान की जुगाली करती काकी के माथे पर सिलवटें उभर आईं।

"अरे ! वहाँ कहाँ पहुँच गई काकी तुम! छगन तो एक नंबर का मक्कार है। जरा मेरे कान में बात डाल देती, थान के थान लदवा देता।"

एक पल काकी ने टीकाराम को देखा और मन ही मन दो चार सुनाई। "तुम कौन कम मक्कार हो। पाँच के दस लेते हो और तैयार माल पर अलग कमीशन खाते हो", पर सामने चुप लगा गई।

काकी बाजार के बहाव से अच्छी तरह वाकिफ थी और फिर इतने दिन से इसी काम में लगी थी। अपने साथ काम करने वाले कारीगरों के हाथों के हुनर और लोकप्रियता को वे अच्छे से पहचानने लगी थी। जब सब काम उनका ही था, तो बीच के इस बिचौलिये टीकाराम का क्या काम था ?

काकी ने कुछ दुकानदारों के नंबर जोड़ कर रख लिये। मन ही मन कुछ ठाना और मशीन पर अपने हाथ तेजी से चलाने लगी।

अंजू निगम

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। कर पाएंगे।

वृष जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा।

मिथुन यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कर्क जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

सिंह कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी।

कन्या पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

तुला पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

धनु धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुंभ शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा।

मीन घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा।

बहुत लेट और अधिक संघर्ष के बाद सफलता मिलती है

छोटी रेखाओं से बनने वाली आकृतियां भी भविष्य में होने वाले बदलाव की ओर इशारा करती हैं।

इन रेखाओं और खास निशान को देखकर पता किया जा सकता है कि भविष्य में आपकी आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी। हस्तरेखा के अनुसार ऐसे पता करें आर्थिक स्थिति के बारे में-

1. अगर किसी व्यक्ति की हथेली में जीवन रेखा सही गोलाई में हो। मस्तिष्क रेखा दो भागों में बंटी हुई हो। हथेली में त्रिकोण का चिह्न बना हो, ऐसे तीनों लक्षण हथेली पर एक साथ होते हैं तो ऐसे लोगों को धन लाभ होता है। ऐसी हथेली वाले लोगों को समय-समय पर अचानक धन लाभ मिल सकता है।

2. भाग्यरेखा हथेली के अंतिम स्थान से यानी मणिबंध से शुरू हो रही हो और शनि पर्वत तक पंहुच रही हो। साथ ही, भाग्य रेखा पर किसी प्रकार के अशुभ निशान न हो तो व्यक्ति व्यवसाय में सफलता प्राप्त कर सकता है। व्यवसाय से धन लाभ होने के योग बनते हैं।

3.अगर किसी व्यक्ति की हथेली भारी और फैली हुई हो। उंगलियां कोमल और नरम हों। ऐसी हथेली होने से व्यक्ति के धनवान होने का योग बनते हैं।

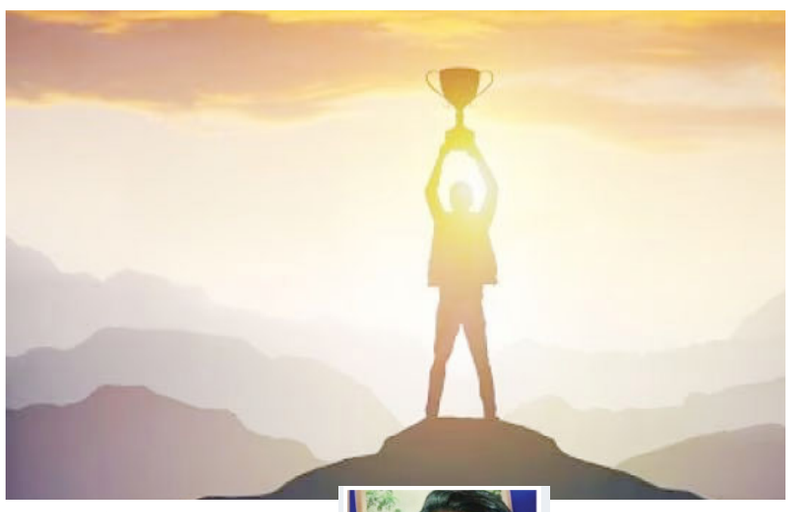

4. हथेली में शनि पर्वत यानी मध्यमा उंगली के पास से दो या इससे अधिक खड़ी रेखाएं हों तो व्यक्ति को धन और सुख मिलता है।

5. शनि पर्वत अगर उठा हुआ हो। जीवन रेखा सही तरीके से घुमावदार हो तो ये योग शुभ रहता है।

6. हथेली के अन्य योगों और अन्य रेखाओं के शुभ-अशुभ असर से यहां बताया गया फलादेश बदल भी सकता है।

और भी बहुत कुछ कहती है आपकी जन्मकुंडली आपके जीवन के लक्ष्य के बारे में आप भी अपने जीवन से जुड़ी हुई बहुत कुछ जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

'किंगपिंग' राकेश उर्फ रॉकी गिरफ्तार

रांची। नीट पेपर लीक मामले में गुरुवार को CBI को एक बड़ी सफलता मिली है। सीबीआई ने रॉकी उर्फ राकेश रंजन को बुधवार को झारखंड से गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक रॉकी इस गिरोह का किंगपिंग है। सीबीआई ने रॉकी को कोर्ट में पेश कर 10 दिनों के रिमांड पर लिया है। बताते चलें कि सीबीआई ने नीट पेपर लीक मामले में बीते मंगलवार को दो और आरोपियों सन्नी एवं रंजीत को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में एक परीक्षार्थी है जबकि दूसरा एक अन्य परीक्षार्थी का पिता था। सीबीआई ने गया से रंजीत और नालंदा से सन्नी को गिरफ्तार था। सीबीआई की पूछताछ में इन लोगों ने जो संकेत दिए थे उसके आधार पर सीबीआई ने कार्रवाई करते हुए राकेश रंजन को गिरफ्तार कर लिया है। राकेश रंजन उर्फ रॉकी को सीबीआई ने झारखंड से रिपफ्तार कर 10 दिनों के रिमांड पर ले लिया है। इससे पहले बुधवार को गया से रंजीत और नालंदा से सन्नी को 6 दिनों की रिमांड CBI को मिली थी।

आजादी के 77 साल बाद भी प्रदेश झेल रहा अनपढ़ होने का दंश

श्री गंगानगर। सरकार ने नव साक्षरता कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 20 लाख लोगों को साक्षर करने की जिम्मेदारी सौंपी है। बड़ी बात यह है कि इनमें से 15 लाख महिलाएं शामिल हैं। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सरकार ने एक बार फिर प्रत्येक जिले को लक्ष्य निर्धारित कर लोगों को साक्षर करने के निर्देश दिए हैं। साक्षर करने के मिले लक्ष्य के बाद जिला अधिकारियों ने भी प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर सर्वे करवाकर अनपढ़ लोगों की सूची तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है। अब इन लोगों को साक्षर करने के लिए उसी गांव या उसी क्षेत्र के पांचवीं पास वॉलियंटर टीचर (वीटी) को तैयार किया है, जो इन लोगों को पढ़ाना-लिखना सिखाएंगे। श्रीगंगानगर-अनूपगढ़ जिले में इनकी संख्या 1496 हैं। जिले में अभी तक 27161 का सर्वे किया जा चुका है।

अध्यापक एक अध्यापिका को लेकर फरार, पुलिस ने किया दस्तयाब

अलवर। एक सरकारी स्कूल के अध्यापक की ओर से सरकारी स्कूल की अध्यापिका को अगवा कर फरार होने का मामला अध्यापिका के पिता की ओर से क्षेत्र के संबंधित थाने में दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि अध्यापिका के पिता ने रिपोर्ट में बताया उसकी पुत्री सरकारी स्कूल में कार्यरत है, जो अपने रूम पर थीं। वहां से अन्य गांव के सरकारी स्कूल में कार्यरत एक अध्यापक उसे और उसके पास रखे सोना-चांदी सहित अन्य आभूषणों को ले गया।

शाइन सिटी घोटाला

मास्टर माइंड राशिद नसीम की विदेश में जब्त होगी संपत्ति

निवेशकों के हड़पे थे 60 हजार करोड़

एजेंसी । लखनऊ

निवेशकों के हजारों करोड़ रुपये लेकर विदेश फरार हुए शाइन सिटी घोटाले के मास्टरमाइंड राशिद नसीम के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) फ्यूजिटिव इकोनॉमिक अफेंडर्स एक्ट (भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम-2018) के तहत केस दर्ज करने जा रही है। इस एक्ट के तहत यूपी में पहली बार कोई केस दर्ज होगा, जिसके बाद राशिद की विदेश में खरीदी गयी संपत्तियों को जब्त किया जा सकेगा। इस एक्ट के तहत बैंकों की रकम हड़पने वाले उद्योगपति विजय माल्या और हीरा कारोबारी नीरव मोदी समेत देश के 14 भगोड़े अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। शाइन सिटी के निवेशकों का करीब 60 हजार करोड़ रुपये हड़पने के बाद दुबई में पनाह लेने वाले राशिद नसीम पर अब इस एक्ट के तहत भगोड़ा घोषित करते हुए शिकंजा कसा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इस एक्ट के तहत केस दर्ज करने की कुछ शर्तें होती हैं जिसमें विदेश भागने वाले व्यक्ति द्वारा 100 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी अंजाम देना, उसका विदेश में होना और वापस आने से इनकार करना तथा देश की किसी अदालत द्वारा उसके खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी होना आदि शामिल है। राशिद नसीम के मामले में ये सारी शर्तें लागू होने से इस एक्ट के तहत कार्रवाई करने की तैयारी है।

दुबई में कर रहा हीरे का कारोबार

जांच एजेंसियों के मुताबिक राशिद नसीम विदेश भागने के बाद नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के साथ दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों में हीरे का कारोबार कर रहा है। इसके पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद विदेश में खोली गई उसकी कंपनियों की पड़ताल जारी है। दरअसल, राशिद ने निवेशकों की रकम को शेल कंपनियों के जरिये अपनी विदेशी कंपनियों के खातों में डायवर्ट किया जिससे कई संपत्तियों को खरीदा गया। अब ईडी इन संपत्तियों को चिह्नित कर जब्त करने की कार्रवाई करेगा।

अब तक इनके खिलाफ हुई कार्रवाई

विजय माल्या, नीरव मोदी, नितिन संदेसरा, चेतम संदेसरा, दीप्ति संदेसरा, हितेश कुमार नरेंद्र भाई पटेल, जुनैद इकबाल मेमन, बाजारा मेमन, आसिफ इकबाल मेमन, जाकिर नाईक, संजय भंडारी, नितीश ठाकुर, मेहुल चोकसी और जतिन मेहता।

कुकरैल रिवरफ्रंट

दो किमी के दायरे में आने वाले 1000 मकानों पर चलेगा बुलडोजर

एजेंसी । लखनऊ

लखनऊ के कुकरैल रिवरफ्रंट के दायरे में रहीमनगर, खुर्रमनगर, इंद्रप्रस्थनगर, पंतनगर व अबरारनगर के करीब एक हजार मकान आएंगे। वन विभाग की जमीन के समानांतर करीब 2 किमी की पट्टी में चल रहा सिंचाई विभाग का सर्वे बुधवार को पूरा हो गया। मकानों को चिह्नित कर उनपर लाल निशान लगा दिए गए। इन मकानों पर अब बुलडोजर चलेंगे। चिह्नित अवैध मकानों के मालिकों का लखनऊ विकास प्राधिकरण ब्योरा दर्ज करेगा। सिंचाई विभाग ने सोमवार से ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) की मदद से सर्वे शुरू किया था। बुधवार सुबह 11 बजे प्रशासन की संयुक्त टीम को लाल निशान लगाने एवं जमीन की नापजोख करने के दौरान विरोध-प्रदर्शन किया। हर मोहल्ले में लोग घरों के सामने खड़े होकर कार्रवाई पर अपना विरोध जताया। हालांकि, पुलिस फोर्स अधिक होने के कारण आक्रोशित लोग टीम के काम में कोई अवरोध पैदा नहीं कर सके। दोपहर करीब तीन बजे सिंचाई विभाग की टीम चिह्नित क्षेत्र को एलडीए को सौंप वापस लौट गई।

कुकरैल नदी की धारा से 50 मीटर के दायरे का मकान टूटेंगे

सर्वे टीम के सदस्यों ने बताया कि अकबरनगर के बाद अब रहीमनगर से कुकरैल नदी की धारा के 50 मीटर के दायरे में बायीं ओर जितने भी मकान आएंगे, वे तोड़े जाएंगे। नदी के किनारे-किनारे दो किमी के दायरे में यह कार्रवाई होगी। टीम का अनुमान है कि करीब 1000 मकानों पर बुलडोजर चलेगा।

एलडीए के सर्वे के लिए पांच टीमों का गठन होगा

सिंचाई विभाग का सर्वे पूरा होने के बाद बृहस्पतिवार से एलडीए टीम अवैध निर्माण वाले मकानों का सर्वे शुरू कर रहा है। इस सर्वे के दौरान एक-एक मकान के मालिक का नाम और उसके परिवार के सदस्यों का नाम सहित ब्योरा दर्ज होगा। इसके लिए पांच टीमों का गठन होगा। टीम में प्रशासन व नगर निगम के अधिकारी भी सदस्य होंगे।

मकान खाली करने के लिए जारी होगा नोटिस

सर्वे पूरा होने के बाद एलडीए अवैध निर्माण करने वालों को नोटिस जारी करेगा। नोटिस में दी गई मियाद तक अवैध निर्माण को खुद नहीं तोड़ने पर उनको एलडीए ध्वस्त कराएगा।

यूपी के पूर्व मुख्य सचिव के साथ जालसाजी

क्रेडिट कार्ड से हो गई 383 डॉलर की शॉपिंग

एजेंसी । लखनऊ

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी व पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन के क्रेडिट कार्ड से जालसाज ने 383 डॉलर की शॉपिंग कर ली। बैंक से ट्रांजैक्शन का मैसेज आने पर उन्हें ठगी का पता चला तो उन्होंने गोमतीनगर थाने में केस दर्ज कराया। गोमतीनगर के विवेकखंड निवासी पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन के मुताबिक, गत आठ जुलाई को दोपहर करीब 12 बजे उनके पास अनजान नंबर से कॉल आई थी। फोन करने वाले ने खुद को एसबीआई का कर्मचारी बताते हुए कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड पर एक लाख नौ हजार रुपये का बकाया है। जालसाज ने उन्हें झांसे में लेने के लिए उनके क्रेडिट कार्ड का नंबर बताया, जो गलत था। आलोक रंजन ने कहा कि यह उनका कार्ड नहीं है तो जालसाज ने उनसे मोबाइल में नौ दबाने के लिए कहा।पूर्व मुख्य सचिव के नंबर दबाने पर उसने उनसे बैंक में संपर्क करने को कहा और कॉल काट दी। शाम करीब 6.30 बजे आलोक रंजन के पास क्रेडिट कार्ड से 383 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 32 हजार रुपये कटने का मैसेज आया। ऐसी आशंका है कि पूर्व मुख्य सचिव के क्रेडिट कार्ड से जालसाज ने ऑनलाइन विदेशी साइट से शॉपिंग की है। इसके चलते कार्ड से 383 डॉलर कटने का मैसेज आया होगा। इंस्पेक्टर गोमतीनगर दीपक कुमार पांडेय के मुताबिक, ट्रांजेक्शन के बारे में जानकारी की जा रही है।

रांची, देवघर, समेत झारखंड के 8 जिलों में बदला मौसम

एजेंसी । रांची

झारखंड के 8 जिलों में अगले 3 घंटे में वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। रांची स्थित मौसम केंद्र ने इस संबंध में येलो अलर्ट जारी किया है। कहा है कि राजधानी रांची समेत 8 जिलों में गरज के साथ वज्रपात एवं वर्षा होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 3:53 बजे जारी किया वर्षा-वज्रपात का येलो अलर्ट

मौसम केंद्र के पूर्वानुमान पदाधिकारी ने बृहस्पतिवार को 3 :53 बजे येलो अलर्ट जारी किया। इसमें कहा कि झारखंड की राजधानी रांची में अगले एक से 3 घंटे में हल्के दर्जे की गरज के साथ वज्रपात एवं वर्षा होने की संभावना है। इसके पहले मौसम विभाग ने 3 और चेतावनी जारी की।

मनीष वर्मा बने जदयू का राष्ट्रीय महासचिव

एजेंसी । पटना

बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने मनीष कुमार वर्मा को पार्टी का नया राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है। पिछले लंबे समय से यह चर्चा थी कि नीतीश कुमार उन्हें जदयू में बड़ी जिम्मेवारी देंगे। दो दिन पहले ही मनीष वर्मा विधिवत रूप से जदयू की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की थी। नीतीश कुमार के अतिरिक्त परामर्शी रहे मनीष वर्मा को लेकर लोकसभा चुनाव से पहले ही यह चर्चा थी कि वो सक्रिय राजनीति में आयेंगे। उनके नालंदा से चुनाव लड़ाने की भी चर्चा थी। पिछले दिनों राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दिल्ली में हुई बैठक में भी उनके नाम की चर्चा थी। मनीष कुमार वर्मा मूल रूप से नालंदा के रहने वाले हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जाति से आने के साथ-साथ उनके करीबी रिश्तेदार भी बताए जाते हैं। मनीष कुमार वर्मा 2000 में ओडिशा कैडर के आईएएस अधिकारी बने और सबसे पहले वह ओडिशा के कालाहांडी में सब कलेक्टर बनाए गए थे।

स्टील फैक्ट्री में ब्लास्ट

दो मजदूर बुरी तरह झुलसे

एजेंसी । हज़ारीबाग

हज़ारीबाग जिले के चरही थाना क्षेत्र के पंद्रह माइल स्थित चिंतपुर्णी स्टील प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल रात लगभग 2:30 बजे भट्ठी ब्लास्ट होने के कारण दो मजदूर बुरी तरह झुलस गये। घायलों में मुन्ना प्रसाद यादव व जितेंद्र यादव शामिल हैं। दोनों को गंभीर अवस्था मे रांची देव कमल हॉस्पिटल में ईलाज के लिए ले जाया गया है जंहा ईलाज चल रहा है।

काम करने के दौरान हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक बिहार के गया जिले के ग्राम मुझौली निवासी मुन्ना प्रसाद यादव पिता भुनेश्वर प्रसाद यादव व जितेंद्र कुमार पिता लेखा यादव दोनों पिछले लगभग चार वर्षों से चिंतपूर्णी स्टील प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में ठेका मजदूरी में क्रेन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत थे 10 जुलाई के रात्रि लगभग 2 :30 बजे लोहा गलाने वाला भट्ठी में ब्लास्ट होने के कारण क्रेन ऑपरेटर मुन्ना प्रसाद यादव और जितेंद्र कुमार आग के चपेट में झुलस गए ।जोरदार धमाके की वजह से दोनों मजदूरों के शरीर में आग गिर गया और वह बुरी तरह झुलस गये। घटना के बाद वहां पर कार्यरत अन्य मजदूर जमा हो गये। आनन फानन में दोनों को रांची स्थित देव कमल हॉस्पिटल लाया गया। जहां दोनों की स्थिति अब भी गंभीर बतायी जा रही है। घटना के बाद फैक्ट्री में कार्यरत मजदूर धरने पर बैठ गये हैं।

व्यापार जगत

आपका यूपीआई खाता जल्द क्रेडिट कार्ड की तरह काम करेगा

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम जल्द ही यूपीआई इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए क्रेडिट लाइन सुविधा शुरू करने वाला है। लगभग नौ महीने पहले ही यूपीआई पर क्रेडिट लाइन के बारे में ऐलान किया गया था। यह सुविधा शुरू होने के बाद आपका यूपीआई खाता क्रेडिट कार्ड की तरह काम करेगा। इससे आपके खाते में पैसा न होने पर भी आराम से भुगतान किया जा सकेगा। दरअसल यूपीआई पर क्रेडिट लाइन और कुछ नहीं बल्कि बैंक खाते का उपयोग करने वाले ग्राहक के लिए यह पूर्व-स्वीकृत कर्ज जैसा है। यह बैंक खाता ग्राहकों के यूपीआई खातों से लिंक होता है। निगम का कहना है कि हर ग्राहक को उसके सिबिल स्कोर के हिसाब से क्रेडिट लाइन मिलेगी। इस क्रेडिट का इस्तेमाल सिर्फ व्यापारी के पास किया जा सकेगा। इसके एवज में बैंक निश्चित ब्याज भी वसूलेंगे। निगम ने कई निजी और सरकारी बैंकों से इस संबंध में वार्ता की है। अब तक आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, पीएनबी, इंडियन बैंक और एक्सिस बैंक जुड़ने की सहमति दे चुके हैं।

दुकानदारों को भी होगा फायदा

इस सुविधा का फायदा ग्राहकों के साथ दुकानदारों को भी होगा। अभी क्रेडिट कार्ड से दो हजार से ऊपर का भुगतान करने पर दुकानदारों को करीब दो फीसदी का चार्ज देना पड़ता है। यूपीआई में क्रेडिट लाइन मिलने के बाद इस तरह की फीस नहीं चुकानी होगी। यह अलग बात है कि क्रेडिट कार्ड में एक निश्चित अवधि तक आपको कोई ब्याज नहीं देना पड़ता लेकिन यूपीआई की क्रेडिट लाइन में आपको इस्तेमाल की गई राशि पर ब्याज देना पड़ेगा। यह एक तरह से ओवरड्राफ्ट सुविधा की तरह काम करेगा।

लग सकता है 1।2% इंटरचेंज

हर लेनदेन पर व्यापारी क्रेडिट जारीकर्ता को कमीशन देता है वह ही इंटरचेंज है। मर्चेंट डिस्काउंट रेट का यह 90 प्रतिशत हिस्सा है। लेनदेन और ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए व्यापारी बैंकों को यह शुल्क देते हैं। निगम जल्द ही यूपीआई क्रेडिट लाइन के लिए 1।2 फीसदी इंटरचेंज का ऐलान कर सकता है। इस संबंध में जल्द ही सर्कुलर जारी किया जा सकता है। यूपीआई ऐप्स और बैंकों से कमाई में हिस्से को लेकर बातचीत कर रही है।

कतर में यूपीआई शुरू करने की तैयारी

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने कतर में क्यू आर कोड आधरित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान सेवा शुरू करने के लिए क्यूएनबी के साथ करार किया है। निगम ने कहा कि मध्य पूर्व और अफ्रीका के सबसे बड़े वित्तीय संस्थान क्यूएनबी के साथ यूपीआई भुगतान शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह साझेदारी भारतीय पर्यटकों को खुदरा स्टोर, पर्यटक आकर्षण, अवकाश स्थलों, शुल्क-मुक्त दुकानों और होटलों में अपनी पसंदीदा भुगतान विधि का उपयोग करने का विकल्प प्रदान करेगी।

सेंसेक्स 27 अंक की गिरावट के साथ 79,897 पर बंद

निफ्टी भी 8 अंक गिरा,
ONGC का शेयर टॉप गेनर रहा

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार में 11 जुलाई को फ्लैट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 27 अंक की गिरावट के साथ 79,897 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 8 अंक की गिरावट रही, ये 24,315 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट देखने को मिली।

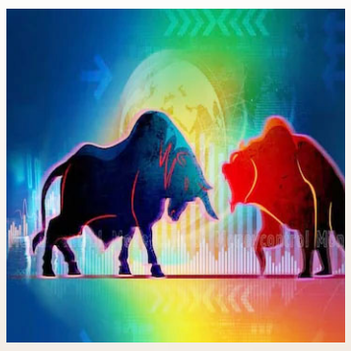

ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 1।10% की तेजी रही

NSE के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ऑयल एंड गैस में सबसे ज्यादा 1।10% की तेजी देखने को मिली। वहीं, निफ्टी मीडिया में 1।03%, FMCG में 0।28% और PSU बैंक में 0।17% की तेजी रही। जबकि, हेल्थकेयर, रियल्टी, फार्मा और ऑटो सेक्टर में गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में आज तेजी रही

- HDFC बैंक, ICICI बैंक और लार्सन एंड टुब्रो ने बाजार को नीचे खींचा। बाजार गिराने में HDFC बैंक का सबसे अधिक 29।97 पॉइंट का कॉन्ट्रिब्यूशन रहा। वहीं, ITC, SBI और टाटा मोटर्स ने बाजार को ऊपर खींचा।
- एशियाई बाजारों में आज तेजी देखने को मिली। जापान के निक्केई में 0।94% की बढ़त रही। वहीं हांगकांग के हैंगसेंग में 2।06% की तेजी देखने को मिली। इसके साथ ही शंघाई कंपोजिट में 1।06% की तेजी रही।
- फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FIIs) ने बुधवार (10 जुलाई) को 583।96 करोड़ के शेयर खरीदे। वहीं, इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DII) ने 1,082।40 करोड़ के शेयर खरीदे।
- बुधवार को अमेरिकी बाजार में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। डाओ जोंस 429।39 (1।09%) अंक तेजी के साथ 39,721 पर बंद हुआ। वहीं NASDAQ 218।16 (1।18%) अंक बढ़कर 18,647 पर बंद हुआ।

10 जुलाई को बाजार ने बनाया था ऑल टाइम हाई बनाया

इससे पहले 10 जुलाई को शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई बनाया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 80,481 और निफ्टी ने 24,459 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, दिनभर कारोबार करने के बाद सेंसेक्स 426 अंक की गिरावट के साथ 79,924 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 108 अंक की गिरावट रही, ये 24,324 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी देखने को मिली थी।

सोने-चांदी के दाम में तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमतों में 11 जुलाई को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 135 रुपए बढ़कर 72,751 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसके दाम 72,616 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, एक किलो चांदी 358 रुपए बढ़कर 92,205 रुपए प्रति किलो बिक रही है। इससे पहले चांदी 91,847 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,570 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,420 रुपए है।

TCS को पहली तिमाही में 12,040 करोड़ का मुनाफा

सालाना आधार पर यह 8।72% बढ़ा, 10 रुपए प्रति शेयर लाभांश भी देगी कंपनी

एजेंसी । मुंबई

भारत की सबसे वैल्यूएबल IT कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (TCS) का वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कॉन्सोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 12,040 करोड़ रुपए रहा है। सालाना आधार पर इसमें 8।72% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 11,074 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इस दौरान कमाई की बात करें तो, अप्रैल-जून तिमाही में यह टोटल 63,575 करोड़ रुपए रही है। सालाना आधार पर इसमें 5।44% की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कंपनी ने 60,778 करोड़ की कमाई की थी।

10 रुपए प्रति शेयर लाभांश का ऐलान

कंपनी ने आज (11 जुलाई) स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में FY 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए है। नतीजों के साथ TCS ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए प्रति शेयर 10 रुपए लाभांश का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे लाभांश या डिविडेंड कहते हैं।

तिमाही आधार पर -3।17% कम हुआ प्रॉफिट

पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही यानी जनवरी-मार्च में TCS ने 12,434 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया था। तिमाही आधार पर इसमें 3।17% की कमी हुई है। कंपनी ने पिछले पूरे वित्त वर्ष के दौरान 2,45,315 करोड़ की कमाई की थी। इस दौरान कंपनी ने 45,908 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया था।

बिक्री रिटर्न फॉर्म में संशोधन कर सकेंगे

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने जीएसटीआर-1ए फॉर्म को अधिसूचित कर दिया है, जिससे करदाताओं को बाह्य आपूर्ति या बिक्री रिटर्न फॉर्म में संशोधन का विकल्प मिलेगा। जीएसटी परिषद ने पिछले महीने करदाताओं को कर अवधि के लिए जीएसटीआर-1 फॉर्म में विवरण संशोधित करने और/या अतिरिक्त विवरण घोषित करने की सुविधा देने के लिए जीएसटीआर-1ए फॉर्म के जरिये एक नई वैकल्पिक सुविधा प्रदान करने की सिफारिश की थी। हालांकि, उक्त कर अवधि के लिए जीएसटीआर-3बी में रिटर्न दाखिल करने से पहले जीएसटीआर-1ए दाखिल करना होगा। वित्त मंत्रालय ने 10 जुलाई को जीएसटीआर-1ए फॉर्म अधिसूचित किया। पांच करोड़ रुपये तक के वार्षिक कारोबार वाले करदाता तिमाही के अंत के 13वें दिन के भीतर जीएसटीआर-1 दाखिल कर सकते हैं, जबकि जीएसटीआर-3बी अगले महीने के 22वें तथा 24वें दिन के बीच दाखिल किया जाता है।

ओली के स्टॉपेज टाइम में किए गए गोल से नीदरलैंड्स को 2-1 से पराजित किया, रविवार को पहले यूरो खिताब के लिए स्पेन से होगी टक्कर

इंग्लैंड लगातार दूसरी बार फाइनल में

- 7 गोल इंग्लैंड ने अब तक टूर्नामेंट में किए हैं
- 600 सर्वाधिक मिनट मैदान में इंग्लैंड के चार खिलाड़ियों ने बिताए हैं
- 3 गोल इंग्लैंड के हैरी केन और इतने ही स्पेन की ओर से ओल्मू ने दागे हैं

एजेंसी । डॉर्टमंड

इंग्लैंड ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लगातार दूसरी बार यूरो कप के फाइनल का टिकट कटा लिया। अब यूरोपियन चैंपियनशिप के पहले खिताब के लिए रविवार (12:30 देर रात) को उसका सामना तीन बार के चैंपियन स्पेन से होगा। बुधवार देर रात खेले गए इस सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने नीदरलैंड्स को 2-1 से पराजित किया। उसके लिए विजयी गोल स्टॉपेज टाइम (90वें मिनट) में स्थानापन्न खिलाड़ी ओली वाटकिंस ने दागा।

हैरी ने दिलाई बराबरी

नीदरलैंड्स ने खेल शुरू होने के सातवें मिनट में ही गोल कर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया था। उसके लिए यह गोल जावी सिमंस ने दागा। हालांकि डच टीम इस बढ़त का फायदा नहीं उठा पाई। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने 18वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल कर स्कोर एक-एक से बराबर कर दिया। इसके बाद इंग्लैंड ने मध्यांतर तक पूरी तरह से अपना दबदबा बनाए रखा। मध्यांतर के बाद फिर दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया।

गेरेथ का मास्टर स्ट्रोक

ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड अपना लगातार तीसरा मुकाबला अतिरिक्त समय में खेलना पड़ेगा। लेकिन कोच गेरेथ साउथगेट ने 80वें मिनट में कप्तान हैरी की जगह वाटकिंस को मैदान पर बुलाने का साहसिक फैसला लिया। स्टॉपेज टाइम के पहले ही मिनट में उन्होंने गोल करके इसे सही साबित कर दिया। वाटकिंस इससे पहले डेनमार्क के खिलाफ भी ग्रुप मैच में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे थे। मौजूदा टूर्नामेंट में इंग्लैंड के लिए नॉकआउट चरण में जूड बेलिंगघम ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल किया था।

देश के बाहर पहला फाइनल

इंग्लैंड पहली बार विदेश में किसी प्रमुख टूर्नामेंट का फाइनल खेलेगा। उसने 1966 विश्व कप वेम्बले स्टेडियम पर जीता था। यूरो 2020 फाइनल भी वहीं खेला गया था। इसमें उसे इटली के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था। पर इस बार टीम 58 साल में अपना पहला बड़ा खिताब जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। टीम ने आखिरी बार 1966 विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी।

अजेय है स्पेनिश टीम

स्पेन मौजूदा टूर्नामेंट की अकेली अजेय टीम है। उसने अभी तक एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। टीम ने 13 गोल किए हैं जो यूरो में टीम का संयुक्त सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। स्पेन अब फ्रांस के 1984 में बनाए गए सर्वाधिक 14 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी से एक गोल दूर है।

कोपा अमेरिका फुटबॉल

कोलंबिया 23 साल बाद फाइनल में

एजेंसी । चार्लोट

कोलंबिया ने उरुग्वे पर 1-0 से तनावपूर्ण जीत के बाद 23 साल में पहली बार कोपा अमेरिका फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हालांकि आखिरी सीटी बजने के बाद खिलाड़ियों और दर्शकों के बीच में झड़प हो गई। कोलंबिया के लिए 39वें मिनट में जैफरसन लेरमा ने गोल किया। कोलंबिया का सामना रविवर को गत चैंपियन लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना से होगा। उरुग्वे तीसरे स्थान के कनाडा से खेलेगा। कोलंबिया इससे पहले 2001 में अपनी मेजबानी में कोपा अमेरिका खिताब जीता था। इस मैच में एक लाल कार्ड के अलावा सात पीले कार्ड दिखाए गए। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच काफी धक्का-मुक्की देखी गई।

अब अर्जेंटीना से सामना

- लेरमा के एकमात्र गोल से उरुग्वे को सेमीफाइनल में 1-0 से पराजित किया
- मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच चलती रही धक्का-मुक्की

मैच के बाद भिड़े दर्शक, उरुग्वे के खिलाड़ी ने प्रतिद्वंद्वी टीम के एक प्रशंसक को पीटा

कोलंबिया के हाथों उरुग्वे की हार के बाद दोनों टीमों के समर्थकों से हाथापाई हो गई। इसमें डारविन नुनेज समेत उरुग्वे के भी कई खिलाड़ी भी कूद पड़े। तनावपूर्ण मुकाबले के बाद उरुग्वे टीम की बेंच के पीछे प्रशंसक आपस में भिड़ गए। मैदान पर जमा 70644 दर्शकों में से 90 प्रतिशत कोलंबिया के समर्थक थे लेकिन उरुग्वे के प्रशंसक भी थोड़ी तादाद में पहुंचे थे। हाथापाई में दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर पेय पदार्थ फेंके। इसके बाद नुनेज और उनके साथी भी सीढ़ियों के रास्ते दीर्घा में पहुंच गए।

टी-20 विश्व कप के शेड्यूल पर मिचेल स्टार्क नाराज

एजेंसी । सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने हाल में खत्म हुए टी-20 विश्व कप के शेड्यूल पर नाराजगी जताई है। स्टार्क ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, ग्रुप चरण में हम इंग्लैंड से आगे थे और अचानक ही अलग ग्रुप में आ गए। हमें दो मैच दिन-रात के मिले और तीसरा दिन का था। हम सर्वश्रेष्ठ तैयारी नहीं कर सके। हमारी फ्लाइट में विलंब हो गया और होटल हवाई अड्डे से डेढ़ घंटा दूर था। अगले दिन सुबह मैच खेलना था। साथ ही वह खुद को अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर आठ के मैच में बाहर रखे जाने से भी खफा थे। इसमें ऑस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान ने 21 रन से हराया और टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। ऑस्ट्रेलिया ने स्टार्क की जगह एश्टन एगर को उतारा था जो कोई विकेट नहीं ले सके।

सौरव गांगुली ने खरीदी कोलकाता रॉयल टाइगर्स टीम

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इस साल अगस्त और सितंबर के बीच होने वाले 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024 में कोलकाता रॉयल टाइगर्स टीम खरीद ली है। कोलकाता की रेसिंग टीम इस प्रतियोगिता में पदार्पण करेगी जिसमें हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, कोच्चि और अहमदाबाद की सात टीमें भी इसमें हिस्सा लेंगी। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में दो मुख्य चैंपियनशिप होंगी जो इंडियन रेसिंग लीग और फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप हैं।

मसूद ही रहेंगे पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान

एजेंसी । लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और कोच जेसन गिलेस्पी ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले राष्ट्रीय टीम के टेस्ट कप्तान के रूप में शान मसूद पर भरोसा जताया है। हालांकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में बाबर आजम की कप्तानी पर फैसला बाद में किया जाएगा। पाकिस्तान को इस साल अक्तूबर में तीन मैच की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की मेजबानी करनी है जबकि बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज का भी सामना करना है।

बैठक में फैसला

पीसीबी ने बुधवार को बैठक की जिसमें बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय चयनकर्ताओं, गिलेस्पी, सफेद गेंद के कोच गैरी कर्स्टन सहायक कोच अजहर महमूद ने हिस्सा लिया और इस दौरान टी-20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन पर भी चर्चा की गई। एक सूत्र ने बताया, बैठक लाल और सफेद गेंद के प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम के लिए एक व्यापक खाका तैयार करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए हुई।

जूनियर फ्रेंच ओपन

भारतीय खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश का मौका

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों के पास अन्य एशियाई खिलाड़ियों के साथ अगले साल होने वाले जूनियर फ्रेंच ओपन में सीधे प्रवेश का मौका होगा। पहला रोलां गैरो जूनियर सीरीज क्वालीफाइंग टूर्नामेंट 16 से 25 अक्तूबर तक टोक्यो में खेला जाएगा। टोक्यो में होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई वही खिलाड़ी कर सकेंगे जो कजाखस्तान (5-9 अगस्त) और चीन (11-17 अगस्त) में क्षेत्रीय क्वालीफाइंग टूर्नामेंट खेलेंगे। इनमें लड़के और लड़कियों के वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ी टोक्यो में खेल सकेंगे जिसके विजेता को 2025 जूनियर फ्रेंच ओपन में सीधे प्रवेश मिलेगा। यह टूर्नामेंट फ्रेंच टेनिस महासंघ और एशियाई टेनिस महासंघ के बीच हुए करार के तहत खेला जा रहा है। ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी और एटीपी के इतिहास में ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलने वाले (यूएस ओपन 2014) इकलौते एशियाई खिलाड़ी केइ निशिकोरी इसके ब्रांड दूत होंगे।

टेनिस में बेहतर कर सकती थी : साइना

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को लगता है कि अगर उन्होंने बैडमिंटन के बजाय टेनिस का रैकेट पकड़ा होता तो वह बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं। राष्ट्रपति भवन में 'हर स्टोरी-माई स्टोरी बातचीत के दौरान साइना ने कहा, कभी कभार मुझे लगता है कि अगर मेरे माता-पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता। इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी। मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी। साइना ने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था। यह कहने के लिए कोई नहीं था, मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं।

परफेक्ट डेज़

परफ्यूम सी खुशबू वाली फिल्म

पल्लवी त्रिवेदी
युवा कवि, लेखिका

कुछ फिल्में किसी बेहतरीन परफ्यूम के जैसे होती हैं। उनकी सुगंध को सैटल होने में थोड़ा वक्त लगता है और उसके बाद वे देर तक महकती रहती हैं। और यह महक बाज़ मर्तबा ता-उम्र आपके जेहन में बसी रहती है। 2023 में रिलीज़ हुई डायरेक्टर विम वेंडर्स की जापानी फ़िल्म 'Perfect Days' भी ऐसी ही एक फ़िल्म है। आप जब इसे देख रहे होंगे तो हो सकता है बहुत खास न लगे क्योंकि इसमें ना कोई ड्रामा है, ना कोई टर्न्स और ट्विस्ट्स। ना ही कोई चमत्कृत कर देने वाली कहानी। यह फ़िल्म बस एक अधेड़ पुरुष हीरायामा की ज़िंदगी के रोज़ के रूटीन को दिखाती है। और हीरायामा के किरदार को जीवंत कर दिया है कोजी याकुशो ने।

हीरायामा एक टॉयलेट क्लीनर है जो टोक्यो में अकेला रहता है और पब्लिक टॉयलेट्स साफ करता है। वह सुबह जल्दी जागता है । अपने पौधों पर वाटर स्प्रे करता है ,बड़े मनोयोग से शेविंग करता है।फिर वह अपने साजो सामान के साथ सफाई करने घर से निकलता है और वर्दी और ग्लव्स पहन अपने काम में बेहद समर्पित भाव से जुट जाता है। काम के प्रति समर्पण तब सबसे बेहतर तरीके से डिफाइन किया जा सकता है जब वह काम करते हुए व्यक्ति को खुशी हो। और हीरायामा अपना काम ऐसे करता है जैसे कोई माँ अपने बच्चे को नहलाती हो।

रात को लैंप की रोशनी में वह किताब पढ़ता है और फर्श पर बिस्तर लगाकर सो जाता है।अगले दिन फिर से उसका यही रूटीन शुरू हो जाता है। यहाँ मामूली से दिखाई देने वाले हर दृश्य में जो गैर मामूली बात है वह उसका हर छोटे काम को भी पूरी तन्मयता और परफेक्शन से करना है, चाहे वह शेविंग के वक्त अपनी मूंछों को कतरना ही क्यों न हो ।

अपने काम के साथ वह लंच -ब्रेक में बाहर बेंच पर बैठ सैंडविच खाते हुए अपनी जेब से कैमरा निकालकर पेड़ और आसमान की तस्वीरें लेता है ,काम के बाद सामुदायिक स्नानागार में प्रफुल्लता से नहाता है, उसकी संगीत और साहित्य में गहरी और परिष्कृत रुचि है। घर में ढेर सारी किताबें और म्यूज़िक कैसेट्स हैं। वह एक सहृदय आदमी है जो लोगों के साथ सभ्य है और सबकी सहायता करता है।

यही उसका रोज़ का जीवन है। अब यह दूर से देखने पर उबाऊ सा जीवन एक अर्थपूर्ण कहानी में इसलिए तब्दील होता है कि हीरायामा अपनी ज़िंदगी में बेहद खुश आदमी है। पूरी मूवी देखने के बाद यह दर्शकों पर इस मायने में खुलती है कि यह मूवी ज़िंदगी के सबसे सरल दिखते उस सबसे कठिन सूत्र के बारे में है जिसका नाम ' संतुष्टि या contentment' है। लोगों में यह भ्रांति है कि ज्यादा पैसा या सफलता संतोष और प्रसन्नता के कारक हैं । और इसी भ्रांति को ध्वस्त करने के लिए नायक को वह काम दिया गया है जिसे किसी भी समाज में सबसे निचले दर्जे का समझा जाता है। यह एक किस्म का मेटाफर भी है। सबसे निचले दर्जे के काम को करने वाले के पास सबसे उच्चतम स्तर की प्रसन्नता है।अपने काम को करते हुए हीरायामा जिस content और खुशी के साथ जीवन जीता है, वही फ़िल्म का विषय है।

हीरायामा को टॉयलेट चमकाते हुए, सैंडविच खाते हुए, म्यूज़िक सुनते हुए, नहाते हुए या कैमरा ऊपर कर पेड़ के झुरमुट से छनकर आती किरणों की तस्वीर लेते समय मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। कितनी दुर्लभ है वह मुस्कान जो अकारण ही छाई हुई है चेहरे पर। और इस मुस्कुराहट को देखते हुए दर्शक भी खुद के मन की परतों को टटोलने लगते हैं।

'कब अकारण मुस्कुराए थे? कब किसी काम को करते हुए उसमें इस तरह डूबे थे ? किस लम्हे में मन ऐसे ही संतोष से भरा हुआ था? यह देखना ही जीवन की किताब के एक महत्वपूर्ण चैप्टर को पढ़ने की तरह है कि कोई सीमित संसाधनों में खुद के साथ , अपने काम के साथ ,अपने गिने चुने दोस्तों के साथ खुश है, वह इतना माइंडफुल है कि हर पल को पूरी तरह जी रहा है। वह उस पल के अलावा न पिछले पल में है और न अगले पल में। जब उसका मन भर आता है तब वह रो लेता है, फिर उठकर शांत भाव से आगे बढ़ जाता है। फ़िल्म में सम्वाद बेहद कम हैं, दृश्य और संगीत ज़्यादा। छायांकन बहुत कलात्मक है। जो बिना लाउड हुए साधारण में छिपे असाधारण को हाइलाइट करता है।

इस फ़िल्म के कुछ दृश्य मेरे पसंदीदा हैं –

पहला जब वह अपनी बेटी के साथ साइकल पर जा रहा है और वह कहता है - 'another time is another time, now is now' बेटी इसे दोहराती हुई गाने की तरह गाती है। फिर दोनों बारी बारी इसे गाते हैं। दूसरा जब वह एक अन्य व्यक्ति के साथ एक दूसरे की छाया पकड़ने का खेल खेल रहा है और एक बच्चे की तरह खुश है। एक दृश्य में उसे टॉयलेट साफ करते हुए tiktok खेल का कागज़ मिलता है। जिस पर एक क्रॉस बना है। वह आगे खेल को बढ़ाते हुए कागज़ वहीं रख देता है। अगले एक हफ्ते तक अनजान प्लेयर के साथ यह खेल चलता है।

तृप्ति डिमरी अब धनुष के साथ करेंगी रोमांस

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के पास फिल्मों की लाइन लगी हैं। फिल्म 'एनिमल' ने उनकी किस्मत का ताला खोल दिया है। फिल्म में उस छोटी सी भूमिका के बाद से तृप्ति की पूछ-परख इंडस्ट्री में बढ़ गई है।

तृप्ति हर निर्माता-निर्देशक की पहली पसंद बनी हुई हैं। अब खबर है उन्हें धनुष संग काम करने का मौका मिल गया है। आनंद राय की अगली फिल्म में दोनों साथ दिखने वाले हैं।

आनंद को भा गईं तृप्ति

आनंद ने अपनी अगली फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए तृप्ति को कास्ट कर लिया है। धनुष फिल्म में एक एंग्री यंगमैन की भूमिका में होंगे। ऐसे में उनके साथ लीड हीरोइन के लिए आनंद की पहली पसंद तृप्ति हैं। निर्देशक ने उनकी पिछली फिल्में देखी हैं, वहीं तृप्ति की लोकप्रियता भी चरम पर है। ऐसे में वह अपनी फिल्म में उन्हें धनुष की जोड़ीदार बनाकर उनकी सफलता को भुनाने के पूरे मूड में हैं।

फिल्म में दिखेगी एक दर्दभरी प्रेम कहानी

फिल्म में एक दर्दनाक प्रेम कहानी दिखाई जाएगी, जिसे देख कोई भी भावुक हो उठेगा। पिछले साल आनंद की हिट फिल्म 'रांझणा' की 10वीं सालगिरह के मौके पर इस फिल्म की घोषणा हुई थी। अब पूरे 1 साल बाद फिल्म का काम शुरू हो रहा है। दरअसल, इस बीच धनुष अपनी दक्षिण भारतीय फिल्मों के काम निपटा रहे थे। अक्टूबर, 2024 से धनुष अपनी चौथी हिंदी फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की शूटिंग मुख्य रूप से वाराणसी में होगी।

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया हुए लूटपाट का शिकार

टीवी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया 8 जुलाई को अपनी शादी की सालगिरह मनाने के लिए यूरोप गए थे। उन्होंने साथ में अपनी कुछ रोमांटिक तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ साझा की थीं। अब उन्होंने बताया है कि इस ट्रिप पर उनका सारा सामान चोरी हो गया। उनके सामान में पासपोर्ट, पर्स और ट्रिप पर खरीदे गए सारे सामान थे। इन सबकी कीमत कुल मिलाकर करीब 10 लाख रुपये के आसपास बताई जा रही है।

कार के अंदर हुई लूटपाट

विवेक ने बताया, 'हम बीते दिन फ्लोरेंस पहुंचे थे। हमने यहां एक दिन रुकने की योजना बनाई थी। हम अपने ठहरने के लिए एक प्रॉपर्टी देखने गए और अपना सारा सामान बाहर खड़ी कार में छोड़ दिया, लेकिन जब हम लौटे तो देखा कि गाड़ी का शीशा टूटा हुआ था और हमारे पासपोर्ट, पर्स, पैसे, शॉपिंग और सारा कीमती सामान गायब था। किस्मत से उन्होंने हमारे कुछ पुराने कपड़े और खाने का सामान छोड़ दिया था।'

होमियो दवाएं भी करती हैं तुरंत असर

एलोपैथी के युग में आमजनों में धारणा है कि होमियो दवाएं जानलेवा रोगों में खासकर तुरंत सिद्धांतिक रूप से अटैक करने वाले रोगों में लाभ नहीं करती। मैं समझता हूं कि यह धारणा पूरी तरह से गलत है। सच यह है कि होमियो औषधि शीघ्रतिशीघ्र लाभ करती हैं। जैसे सनटॉर्क (लू लगना), पेट दर्द होना, उल्टी होना, पतला पखाना होना (समर डायरिड) व गौड़ रोग लक्षण और दवाएं (Glonine), सिर चकराना, चलते हुए लड़खड़ाना ऐसा लगना जैसे सब कुछ घूम रहा है। कोई व्यक्ति रोगी को देखे तो ऐसा लगता है कि पीड़ित व्यक्ति नशा में हो। दो उच्च रक्तचाप H.B.P. बढ़ जाता है। यदि आप ग्लोनाइन (Glonine 30) प्रयोग करें। Glonine में हजारों हथौड़ों की हैमरिंग जैसा दर्द पाया जाता है। इस दवा का कार्यकाल चार घंटे से 24 घंटे तक की पाया जाता है। यह दवा प्रो. डॉ. हेटिंग ने इजाद की है। Glonine, Sun Stork और H.B.P. भी उत्कृष्ट दवाएं हैं।

Arsalb-30 या 200

यदि आप बेचैनी महसूस कर रहे हैं। अमवा हट, घूंट-घूंट थोड़ा-थोड़ा पानी-पीना कभी-कभी पेट में मरोड़ का दर्द, या ऐंठन युक्त दर्द होना, कभी कभार पतला पखाना होना, दर्द से युक्त पखाना होना पाया जाता है। विशेष : यह एक गंभीर क्रिया करने वाली दवा है यह जीवन रक्षक है। इसे 15 मिनट के अंतर से लेकर 4 से 6 घंटे के अंतर पर भी लिया जा सकता है। यह दवा 1 दिन से लेकर 120 दिन असर करती है। फलों का प्रयोग बहुतायत रूप में किया जाना चाहिए। अगर फलों को खाने के बाद लूज मोशन (पतला पखाना) हो रहा है तो (Bryonia-30 या 200) का प्रयोग करना चाहिए। Bryonia के कुछ विशेष लक्षण (हरकत से रोग बढ़ना), चुपचाप आंख बंद कर रोगी सोना चाहता है। प्यास लगभग नहीं रहती है। उसे 4 घंटे पर 200 से 250 मिली पानी पीना पड़ता है। शरीर के जिस भाग में दर्द रहता है उसी को दबाकर सोना चाहता है।

Natmur - 30

यदि सिर भारी है। धूप में घूमने से सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, और दुबलापन के लिए यह दवा प्रभावी है। बिच्छू के काटने पर इसके इस्तेमाल से तुरंत राहत मिलती है। (नैट्रम क्यू) का एक विशेष प्रयोग बताता हूं। यदि किसी को बिच्छू ने काटा या डंक मार दिया हो तो रोगी बिच्छू पीड़ित को जिस अंग में बिच्छू ने काटा हो उसकी उल्टी आंख में Natmur-30 की एक बूंद डालें अर्थात दाईं ओर काटा हो तो दवा बाईं आंख में और बाईं ओर काटा हो तो दाईं आंख में एक बूंद डालें। अतिशीघ्र लाभकारी है। यह दवा नमक से बनी हुई है अर्थात Sodium Chloride है।

नाक बहना

एलीयम सिया-30 यदि सर्द, गर्म हो गया हो, नाक में पतला स्राव हो हो रहा है। आंखों में जलन हो रहा हो एलिम सिया लाभ करती है। सफेद प्याज के रस से यह दवा बनती है। गर्मी के दिनों में कच्चा प्याज खासकर सफेद प्याज खाना अति लाभकारी होता है। साथ ही यदि प्याज को अपने साथ रखा जाए तो ग्रीष्म ऋतु के रोगों में बचाव होता है। अत्यधिक धूप में वाली रोगों का प्रकोप कम हो जाता है।

विशेष : मानसून में होने वाली गर्मी के दिनों में पानी ज्यादा पीना चाहिए। यह प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक है।

आंख के रोग

आंख लाल होना, आंख से पानी गिरना, आंखों में कसमसाहट, सूर्या सिया आई ड्रॉप आंखों में सुबह, दोपहर, शाम डालें। सूर्या सिया-200/30 सुबह/शाम 2 बूंद पानी के साथ लें।

सिर दर्द - H.B.P.

ललाट और कनपटी में दर्द होना, आंखें लाल होना, रक्तचाप बढ़ जाना, H.B.P. हो आदि में Belladona-30 या 200 का प्रयोग किया जाना चाहिए। अति विशिष्ट ध्यान योग्य बातें चंद वाक्यों में आजकल insecticide और Pepticsyde का प्रयोग सुई के रूप में अन्य विशेष रसायनों का प्रयोग धड़ल्ले से फलों और अन्य खाद्य पदार्थों में किया जा रहा है, जिसके कारण फूड प्वाइजनिंग भोजन का विषाक्त होना आम बात हो गई है। इससे बचने के लिए फूड प्वाइजनिंग होने पर Nuxvom-30 या 200 का उपयोग करें, तत्काल आरोग्य प्राप्त होगा। Pulsalaniz-200 तेज, धीमा सामान खाने से पेट संबंधी रोग होने पर प्रयोग करें। यदि : मांस, मछली, या अन्य पकने वाली चीजें खाई गई हों। Nuxvon-200 अति लाभकारी है।

Arttin Crud-200

यदि जीभ पर सफेद लेप की परत है। तेल, घी, मांस, मछली सभी घी, दूध भी एक साथ उपयोग किए गए हों तो Arttin Crud-200 का प्रयोग रामबाण साबित होता है।

नोट : छोटे आलेखों में होमियो रूपी समुद्र का समाधान संभव है। अतएव पीड़ित व्यक्ति आपातकाल में मो. नं. 9955407205 पर संपर्क करें। चौबीसों घंटे सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

– ओमप्रकाश ओंकार, पटना (बिहार)

न्यूज ब्रीफ

चीन से पाकिस्तान जा रहे बैन केमिकल्स तमिलनाडु में जब्त

नई दिल्ली। तमिलनाडु के एक बंदरगाह पर सुरक्षा एजेंसियों ने चीन से पाकिस्तान जा रही केमिकल्स की खेप जब्त की है। इसमें आंसू गैस और दंगा नियंत्रण से जुड़े 2560 किलो के केमिकल्स हैं। इन केमिकल्स की शुरुआती जांच में पता चला कि ये इंटरनेशनली बैन केमिकल्स है। केमिकल्स को 25 किलोग्राम के 103 ड्रमों में रखा गया था।ड्रम्स में ऑर्थो-क्लोरो बेंज़िलिडीन मैलोनोनिट्राइलर केमिकल था, जिसे एक चीनी कंपनी 'चेंग्दू शिचेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड' ने रावलपिंडी स्थित डिफेन्स सप्लायर 'रोहेल एन्टरप्राइज' को भेजा था। अधिकारियों के अनुसार, ये खेप 18 अप्रैल 2024 को चीन के शंघाई पोर्ट पर एक लोडिंग शिप में लोड किया गया था। इसके बाद ये तमिलनाडु के पोर्ट के रास्ते कराची पोर्ट भेजा जा रहा था। 8 मई, 2024 को तमिलनाडु के कट्टुपल्ली पोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने नियमित जांच के दौरान जहाज को रोक लिया। इस खेप को रोकने के पीछे अधिकारियों ने SCOMET की निर्यात नियंत्रण लिस्ट का हवाला दिया है।

अमरनाथ यात्रा के लिए 14वां जत्था जम्मू बेस कैंप से कश्मीर हुआ रवाना

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के लिए गुरुवार तड़के सुबह जम्मू से कड़ी सुरक्षा के बीच तीर्थयात्रियों का 14वां जत्था कश्मीर रवाना हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, 4885 तीर्थयात्री 191 गाड़ियों में सवार होकर कश्मीर के बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए सुबह 3 बजकर 6 मिनट पर रवाना हुए। इस जत्थे में 2366 पुरुष, 1086 महिलाएं, 32 बच्चे और 163 साधु शामिल हैं। इस दौरान CRPF के जवानों की कड़ी सुरक्षा देखने को मिली। बीते दिनों में हुए आतंकी हमले और सेना के जारी ऑपरेशन के बाद से यात्रा के बेस कैंप और मार्ग के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। 28 जून को उपराज्यपाल ने हरी झंडी दिखाकर अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे को रवाना किया था। तब से लेकर 77,210 तीर्थयात्री जम्मू बेस कैंप से कश्मीर के लिए रवाना हो चुके हैं। 52 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हुई जो 19 अगस्त को समाप्त होगी। बीते साल 4.5 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे।

अब निजी हाथों में DRDO की सात बड़ी रक्षा परियोजनाएं

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने निजी क्षेत्र की कंपनियों को सात रक्षा परियोजनाओं की जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें पानी के भीतर प्रक्षेपित किए जाने वाले मानव रहित हवाई वाहन और लंबी दूरी की रिमोट संचालित प्रणालियों सहित कई परियोजनाएं शामिल हैं। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय की प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इन प्रौद्योगिकियों का स्वदेशी विकास सैन्य औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूत करेगा। अधिकारियों ने बताया कि पानी के नीचे से प्रक्षेपित किए जाने वाले मानवरहित यान परियोजना का लक्ष्य ऐसे बहुमुखी समुद्री रणक्षेत्र सहायक उपकरणों का विकास करना है, जिन्हें विभिन्न लड़ाकू भूमिकाओं में तैनात किया जा सके।

पूर्व अग्निवीरों को CISF, BSF में 10% आरक्षण

- पहले बैच को आयु सीमा में 5 साल की छूट मिलेगी
- फिजिकल टेस्ट नहीं देना होगा

नई दिल्ली। अग्निवीर पर केंद्र सरकार के फैसले के 2 साल बाद CISF और BSF ने गुरुवार को पूर्व अग्निवीरों को 10% आरक्षण देने का ऐलान किया। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जल्द ही नियम लागू किए जाएंगे। BSF डीजी नितिन अग्रवाल और CISF डीजी मीना सिंह ने यह जानकारी दी। दरअसल 18 जून 2022 को गृह मंत्रालय ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें कहा था कि CAPF और असम राइफल्स में पूर्व अग्निवीरों को 10% आरक्षण दिया जाएगा। CAPF के अंतर्गत BSF, CRPF, ITBP, SSB और CISF ऑर्म्ड आती हैं।

CISF बोली, पहले बैच में 5 साल तो अगले बैच में 3 साल की छूट

CISF डीजी नीना सिंह ने कहा, 'भविष्य में कॉन्स्टेबलों की सभी भर्तियों में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10% नौकरियां आरक्षित की जाएंगी। फिजिकल टेस्ट नहीं देना होगा। उम्र में छूट दी जाएगी। पहले बैच को आयु में छूट 5 साल रहेगी, लेकिन अगले बैच से ये छूट केवल 3 साल की होगी।'

बीएसएफ डीजी नितिन अग्रवाल ने कहा, 'अग्निवीर योजना से जवानों को 4 साल का अनुभव मिला है। वे पूरी तरह से अनुशासित और प्रशिक्षित हो चुके हैं। ये बीएसएफ के लिए बहुत अच्छा है। ट्रेनिंग के बाद, सिलेक्टेड अग्निवीरों को सीमा पर तैनात किया जाएगा।'

सुप्रीम कोर्ट ने 16 राज्यों के मुख्य एवं वित्त सचिवों को किया समन

CJI चंद्रचूड़ ने इस मामले पर जताई नाराजगी

एजेंसी । नई दिल्ली

न्यायिक अधिकारियों को पेंशन बकाये एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान पर दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग (एसएनजेपीसी) की सिफारिशों के गैर-अनुपालन पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने 16 राज्यों के मुख्य एवं वित्त सचिवों को समन जारी करने का आदेश दिया।

व्यक्तिगत रूप से होना होगा उपस्थित

पीठ ने कहा कि मुख्य और वित्त सचिवों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। ऐसा न करने पर अदालत अवमानना का मामला शुरू करने पर बाध्य होगी।

कोर्ट ने जाहिर की नाखुशी

एसएनजेपीसी की सिफारिशों का अनुपालन नहीं किए जाने पर सख्त नाखुशी जाहिर करते हुए प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, 'हमें पता है कि अब अनुपालन कैसे कराना है। अगर हम सिर्फ यह कहेंगे कि अगर हलफनामा दायर नहीं किया तो मुख्य सचिव को पेश होना होगा, तो यह दायर नहीं होगा।' हम उन्हें जेल नहीं भेज रहे हैं, लेकिन उन्हें यहां आने दीजिए, फिर हलफनामा दाखिल होगा। उन्हें अभी व्यक्तिगत रूप से पेश होने दीजिए। यद्यपि राज्यों को सात अवसर दिए गए हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि पूर्ण अनुपालन नहीं हुआ है और कई राज्यों ने चूक की है।

कोर्ट ने इन राज्यों के शीर्ष अधिकारियों को किया समन

पीठ ने आंध्र प्रदेश, बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, असम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, केरल, मेघालय, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, मणिपुर, ओडिशा एवं राजस्थान के शीर्ष अधिकारियों को 23 अगस्त से पहले पेश होने को कहा है। पीठ ने स्पष्ट किया वह और समय प्रदान नहीं करेगी। अदालत ने प्रस्तुत दलीलों पर गौर करने और न्यायमित्र के. परमेश्वर द्वारा उपलब्ध कराए गए नोट का अवलोकन करने के बाद यह आदेश पारित किया।

सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई से जस्टिस संजय कुमार हटे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार ने गुरुवार (11 जुलाई) को AAP नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। दिल्ली शराब नीति मामले में सिसोदिया की याचिका पर आज सुनवाई होनी थी। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संजय कुमार की बेंच सुनवाई करने वाली थी। हालांकि, जैसे ही मामला सुनवाई के लिए रखा गया, जस्टिस खन्ना ने कहा, 'हमारे भाई (जस्टिस संजय कुमार) को कुछ दिक्कत है। वह निजी कारणों के चलते इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते।

सुप्रीम कोर्ट की नई बेंच अब 15 जुलाई को सुनवाई करेगी

अब 15 जुलाई को दूसरी बेंच मामले की सुनवाई करेगी। जस्टिस संजय कुमार इसका हिस्सा नहीं होंगे। सिसोदिया ने शराब नीति घोटाले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ED) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) केस में जमानत पर पुनर्विचार को लेकर दो अलग-अलग याचिकाएं लगाई हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 4 जून को सिसोदिया की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सिसोदिया ने इस पर दोबारा विचार करने को लेकर याचिका लगाई थी। सिसोदिया को पिछले साल 26 फरवरी को CBI ने और फिर 9 मार्च को ED ने गिरफ्तार किया था।

लाहौर हाईकोर्ट की पहली महिला चीफ जस्टिस बनीं आलिया नीलम

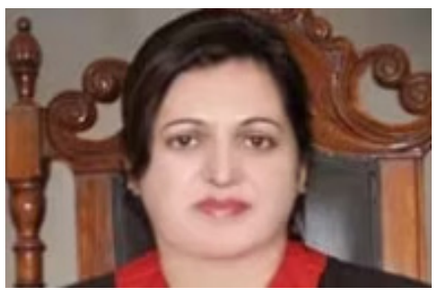

कराची। पाकिस्तान के लाहौर हाईकोर्ट में गुरुवार को आलिया नीलम ने चीफ जस्टिस पद की शपथ ली। पंजाब प्रांत के न्यायिक इतिहास में ये पहली बार है जब कोई महिला शीर्ष पद पर बैठी है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बुधवार को उनकी नियुक्ति की मंजूरी दी। जस्टिस आलिया नीलम को पंजाब गवर्नर सरदार सलीम हैदर खान ने शपथ दिलाई। इस दौरान पंजाब की पहली महिला CM मरियम नवाज भी मौजूद थीं। 58 साल की आलिया नीलम पाकिस्तान के न्यायिक इतिहास में दूसरी ऐसी महिला हैं जिन्होंने चीफ जस्टिस का पद संभाला है।

अब 18 जुलाई को होगी NEET पर सुनवाई

- सुप्रीम कोर्ट ने तारीख बढ़ाई ताकि केंद्र और NTA के हलफनामे पर याचिकाकर्ता पक्ष रख सकें

नई दिल्ली। NEET मामले में गड़बड़ी को लेकर 38 याचिकाओं पर अगली सुनवाई अब 18 जुलाई को होगी। कोर्ट ने केंद्र सरकार और NTA के हलफनामे पर याचिकाकर्ताओं को जवाब देने के लिए समय दिया है। चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि कोर्ट के 8 जुलाई के निर्देश के जवाब में केंद्र और NTA ने अपने हलफनामे दायर कर दिए हैं। हालांकि, बेंच ने ये पाया है कि कुछ याचिकाकर्ताओं को अभी तक केंद्र और NTA के हलफनामे नहीं मिल पाए हैं। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को की जाएगी।

CJI की बेंच ने की दूसरी सुनवाई

सुनवाई के लिए 11 जुलाई को कोर्ट में NEET का केस 40 से 45 मामले पर लिस्ट किया गया था। केस 33 की सुनवाई के बाद CJI चंद्रचूड़ ने कहा कि कल सबसे पहले NEET पर सुनवाई होगी। इसके बाद इसे सोमवार तक के लिए टाल दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बुधवार को केस की सुनवाई करने की रिक्वेस्ट की। फिलहाल, कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 जुलाई तक टाल दी है।

तीसरी की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, हत्या

- आरोपी उसी के स्कूल के छठी-7वीं के छात्र
- सबूत मिटाने के लिए नहर में फेंका शव

नांदयाल। आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले में तीसरी क्लास में पढ़ने वाली बच्ची से गैंगरेप और मर्डर का मामला सामने आया है। पुलिस ने बच्ची के स्कूल के तीन नाबालिग छात्रों को आरोपी बनाया गया है। छात्रों ने गैंगरेप के बाद बच्ची की हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए शव को नहर में फेंक दिया। शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है। बच्ची की उम्र 8 साल थी। वहीं, आरोपी दो लड़कों की उम्र 12 साल है। दोनों छठी क्लास में पढ़ते हैं। तीसरे आरोपी की उम्र 13 साल है, वह सातवीं क्लास में पढ़ता है।

खेलने के बहाने बच्ची को ले गए

पुलिस के मुताबिक, घटना रविवार (7 जुलाई) शाम की बताई जा रही है। घटना के वक्त बच्ची पगडियाला स्थित एक पार्क में खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी छात्र उसे खेलने के बहाने सुनसान जगह ले गए और वारदात को अंजाम दिया। बच्ची घटना के बारे में अपने माता-पिता को न बता दे, इस डर से आरोपी बच्चों ने उसकी हत्या कर दी और शव को पास की नहर में फेंककर मौके से भाग निकले।

स्निफर डॉग की मदद ली गई

पुलिस ने कृष्णा नदी के बैकवाटर में सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने बताया कि बच्ची 7 जुलाई से लापता थी। वह घर के पास स्थित पार्क में खेलने गई थी, लेकिन काफी समय गुजर जाने के बाद भी नहीं लौटी। पेरेंट्स ने काफी देर खोजा, लेकिन नाकाम रहे। बाद में उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। शुरुआत में तो पुलिस को भी आरोपियों के बारे में पता नहीं चला। इसके बाद 9 जुलाई को स्निफर डॉग्स की मदद ली गई। इस दौरान गांव में रहने वाले 3 नाबालिग लड़कों का व्यवहार असामान्य देखा गया। तीन आरोपी लड़कों में से एक ने वारदात को स्वीकार कर लिया। इसके बाद दो अन्य की भी गिरफ्तारी हो गई।

असम सरकार की कर्मचारियों को दो दिन की स्पेशल लीव

गुवाहाटी। असम सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को दो दिन की विशेष आकस्मिक अवकाश (स्पेशल केजुअल लीव) देने की घोषणा की है, ताकि वे अपने माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिता सकें। मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) की ओर से यह जानकारी दी गई है। जारी सूचना के मुताबिक, कर्मचारी स्पेशल छुट्टियों को निजी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। साथ ही जिन कर्मचारियों के माता-पिता या सास-ससुर नहीं हैं, उन्हें ये छुट्टियां नहीं मिलेंगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने X पर पोस्ट किया, 'सीएम हिमंता बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों को अपने माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिताने के लिए 6 और 8 नवंबर, 2024 को विशेष आकस्मिक अवकाश की घोषणा की है।' विशेष छुट्टी देने के पीछे मकसद है कि कर्मचारी अपने बुजुर्ग होते माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिता सकें। उनका सम्मान और उनकी देखभाल की जा सके।